

सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सु-विचार

" सोंच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं कमजोर नहीं बल्कि मजबूत बनाने आती हैं...!!

अज्ञात...

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-271

संपादक आलोक तिवारी

दुर्ग, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

पृष्ठ 08

मूल्य -2 रुपए

भिलाई में मिर्ची रॉक एंड होल गरबा महोत्सव का हुआ भव्य समापन

विजेताओं को सिल्वर कॉइन और डायमंड रिंग से किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

चौहान इंपीरियन में चल रहे एटी ज्वेलर्स प्रेजेंट्स मिर्ची रॉक एंड होल गरबा महोत्सव का तीसरे दिन गरिमापूर्ण समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडेय रहे, जबकि कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने के लिए एटी ज्वेलर्स के संचालक सौरभ बरडिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अतिथियों का स्वागत सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु के संपादक आलोक तिवारी और रेडियो मिर्ची की ओर से गगनदीप ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राकेश पांडेय ने कहा कि गरबा मां आदिशक्ति की प्रसन्न करने की तपस्या की तरह है। उन्होंने कहा कि चौहान इंपीरियन में आयोजित मिर्ची रॉक एंड होल गरबा का आयोजन बेहतरीन और सराहनीय है, जो हमारी संस्कृति और परंपरा को जीवंत बनाए रखता है।

इस अवसर पर एटी ज्वेलर्स के संचालक सौरभ बरडिया ने कहा कि गरबा महोत्सव ने भिलाई की जनता को एक ऐसा मंच दिया है जहां भक्ति के साथ उत्सव का संगम देखने को मिलता है। उन्होंने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को

पुरस्कृत भी किया।

तीसरे दिन गरबा पंडाल में हजारों भक्तों ने डांडिया-गरबा का शानदार प्रदर्शन किया। होल की थाप और गरबा की मस्ती में पूरा पंडाल झूम उठा। आयोजन का शुभारंभ संपादक आलोक तिवारी, समाजसेवी संजय खंडेलवाल, प्रेस क्लब के पूर्व महासचिव खिलावन सिंह, नील भगत और इवेंट कंपनी से रितेश ने मां दुर्गा की आरती के साथ किया।

विजेता प्रतिभागियों की सूची

निर्णायकों ने प्रस्तुति, वेशभूषा और समूह समन्वय के आधार पर विजेताओं का चयन किया।

बेस्ट ग्रुप - प्रिशा सिंह
बेस्ट कॉस्ट्यूम - अभिषेक
बेस्ट डांसर पुरुष - डॉ. ओमेश वर्मा एवं श्री अभिषेक (ब्लू)
बेस्ट ओवरऑल परफॉर्मर - दीपाली सेन, डायमंड
बेस्ट डांसर महिला - मालिनी रमन
स्पेशल परफॉर्मर - क्यूटेस्ट परफॉर्मर - गिरिका कौर

1 से 6 तक के विजेताओं को एटी ज्वेलर्स की ओर से सिल्वर कॉइन और स्पेशल परफॉर्मर क्यूटेस्ट परफॉर्मर गिरिका कौर को डायमंड रिंग देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर प्रतिभागी खुशी से झूम उठे।



क्रिकेट मैच शेफाली वर्मा की तूफानी पारी और स्मृति मंधाना की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ने सीरीज पर जमाया कब्जा

भारत की लगातार दूसरी जीत, जिम्बाब्वे को 9 विकेट से छेंदा

लाभेश घोष/ रायपुर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारतीय बल्लेबाजों ने मुकाबले को एकतरफा बनाते हुए जिम्बाब्वे से मिले 103 रन के लक्ष्य को महज 8.5 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली वर्मा और कप्तान स्मृति मंधाना की विस्फोटक बल्लेबाजी मुकाबले का मुख्य आकर्षण रही।

रविवार को खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभागों में दमदार प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने खुलकर नहीं खेल सकी और निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 102 रन ही बना पाई।



जवाब में भारतीय बल्लेबाजों ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और विपक्षी टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। **जिम्बाब्वे की पारी 102 रन पर सिमटी** : टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम को भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव में रखा। टीम की ओर से चिपो मुगोरी-तिरिपाओ ने 34 रन बनाकर पारी को संभालने की कोशिश की, जबकि कप्तान जोसेफिन नकोमो ने 27 रन का योगदान दिया। हालांकि, दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिल सका और

टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट चटकाकर जिम्बाब्वे की रन गति पर अंकुश लगाए रखा। निर्धारित 20 ओवर में जिम्बाब्वे की टीम आठ विकेट के नुकसान पर 102 रन ही बना सकी। भारत के सामने जीत के लिए 103 रन का लक्ष्य था, जिसे देखते हुए भारतीय टीम की जीत की संभावनाएं मजबूत नजर आ रही थीं। **शेफाली ने 25 गेंदों में ठोक दिए 55 रन** : 103 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक शुरूआत की। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने मैदान पर उतरते ही जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। उन्होंने महज 25 गेंदों में 55 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी पारी में छह चौके और चार शानदार छक्के शामिल रहे। शेफाली ने अपनी बल्लेबाजी से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और भारतीय टीम को तेजी से लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। शेफाली की आक्रामक

बल्लेबाजी के सामने जिम्बाब्वे के गेंदबाज विकेट लेने के लिए संघर्ष करते नजर आए। भारतीय पारी की शुरूआत इतनी तेज रही कि मुकाबला शुरूआती ओवरों में ही भारत के पक्ष में झुक गया। शेफाली ने कम गेंदों में अर्धशतक पूरा कर टीम की जीत की राह आसान कर दी। **स्मृति मंधाना ने भी दिखाया दम** : कप्तान स्मृति मंधाना ने भी शेफाली वर्मा का शानदार साथ दिया। उन्होंने 25 गेंदों पर नाबाद 47 रन बनाए। उनकी पारी में छह चौके और दो छक्के शामिल रहे। स्मृति ने संभलकर शुरूआत करने के बजाय जरूरत के मुताबिक आक्रामक बल्लेबाजी की और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को दबाव में रखा। शेफाली और स्मृति के बीच तेज रन गति से भारतीय टीम ने लक्ष्य की ओर तेजी से कदम बढ़ाए। शेफाली के आउट होने के बाद भी भारतीय टीम की रफ्तार कम नहीं हुई। स्मृति ने जिम्मेदारी संभालते हुए टीम को जीत तक पहुंचाया।

छत्तीसगढ़ में तीन IPS को DG बनाने की अटकलें तेज, कल्लूरी, प्रदीप गुप्ता और विवेकानंद के नाम पर चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में तीन आईपीएस अफसरों को डीजी बनाए जाने की अटकलें बड़ी तेज हैं। यह जरूरत इसलिए पड़ रही है कि डीजी बनने की 30 साल की एलिजिबिलिटी तीन आईपीएस अधिकारियों ने क्रॉस कर ली है।

खासतौर से एसआरपी कल्लूरी के साथ अन्याय की चर्चा है। सरगुजा से नक्सलियों का पैर उखाड़ने वाले 1994 बैच के आईपीएस कल्लूरी को 2024 में ही डीजी बन जाना चाहिए था। उनके दोनों बैचमेट डीजी बन चुके हैं, मगर वे अभी भी इंतजार में हैं। उनके



अलावा 95 बैच के प्रदीप गुप्ता और 96 बैच के विवेकानंद का भी प्रमोशन ड्यू है। असल में दिक्रत यह है कि छत्तीसगढ़ में डीजी के पद चार ही हैं। दो कैडर और दो एक्स कैडर। इन पर फिलहाल

गुप्ता का रिटायरमेंट में अभी काफी समय है। इसको देखते हुए सरकार ने तय किया है कि कल्लूरी, प्रदीप गुप्ता और विवेकानंद को स्पेशल डीजी बना दिया जाए। इसके लिए फाइल भी चली है, मगर उसमें अड़ंगा लगाने की कोशिशें शुरू हो गई हैं।

अरुणदेव गौतम, पवनदेव, जीपी सिंह और हिमांशु गुप्ता पोस्टेड हैं। इनमें से गौतम अगले साल जुलाई में रिटायर होंगे, तब एक पद खाली होगा और दूसरा जुलाई 2028 में पवनदेव के जाने के बाद। बाकी जीपी सिंह और हिमांशु

दुर्ग में दादी राणी सती जी के मंगलपाठ में झूम उठी महिलाएं



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश के एकमात्र स्थान दुर्ग के गंजपारा स्थित श्री सतीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में व्रत नवरात्र पर्व के अवसर पर पूरे 9 दिवस कराया जाता है कन्या भोज जिसमें प्रतिदिन लगभग 208 कन्या माताओं का पूजन करके कन्या भोज कराया जाता है।

व्रत नवरात्र पर्व के अवसर पर श्री सतीचौरा माँ दुर्गा मंदिर दुर्ग में दिनांक 11 अक्टूबर सितम्बर से 20 अक्टूबर तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे माता जी का अलग अलग धर्मप्रियायों द्वारा पूरे परिवार सहित उपस्थित होकर माता जी का अभिषेक दोपहर 12 बजे कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन होता है, मंदिर परिसर में प्रातः 9 बजे से माता जी का अभिषेक उसके पश्चात दोपहर 12 बजे दुर्गा मंदिर परिसर में लगभग 200 से अधिक कन्या माताओं का पूजन करके कन्या भोज कराया जाता है।

व्रत नवरात्र पर्व के अवसर पर सप्तमी तिथि को दादी राणी सती जी के मंगलपाठ का आयोजन किया गया जिसमें भारी मात्रा में चुनरी वाली साड़ी पहनकर महिलाएं माँ दुर्गा मंदिर आये, और भजनों की प्रस्तुति में खूब झुमे, दादी आई है, मेरी मैया मेरे आई रे, आज है दादी अमावस्या, श्रीराणी सती दादी की जय, दे दे थोड़ा प्यार दादी जैसे भक्ति भजनों पर महिलाएं जमकर झुमी। 17 अक्टूबर को आयोजित राणी सती दादी जी के मंगलपाठ का। महोत्सव में परशुराम महिला मंडल दुर्ग की महिलाओं ने अमृतवाणी से श्रद्धालुओं को कथामृत का रसपान कराया गया। मंगल महोत्सव में महिलाओं ने भी दादी का मंगल पाठ किया। कार्यक्रम की आयोजिका एवं महिला सदस्य मोना दिनेश शर्मा एवं वीणा सुधीरा राठी ने बताया कि ने बताया कि मंगल पाठ के दौरान दादी जी के जन्म प्रसंग के दौरान कई श्रद्धालुओं ने उपहार के रूप में चाकलेट, खिलौने, मिठाइयां, लड्डू व अन्य वस्तुएं बांटी एवं शिक्षा की रस्म में सभी उपस्थित छोटे छोटे

बच्चों को काँपी पेन का वितरण किया गया, कथा में दादी जी के विवाह रस्म अजोयक समिति की महिलाओं ने सभी उपस्थित महिलाओं को मेहदी एवं हल्दी लगाई और सती होने तक की सभी रस्मों का मंचन किया गया। जन्मोत्सव के दौरान बधाईयां लेने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं व कन्याएं उमड़ी। और माता जी का गाना नाचो गाओ खुशी मनाओ झूमो रे सब आज, मां आई घर आपने सब मंगल गाओ रे गा कर पूरे कार्यक्रम स्थल में धमलान कर दिया..

महोत्सव में अखंड ज्योत, जन्मोत्सव, बधाई उत्सव, मुकलावा उत्सव व महाप्रसादी आकर्षण का केंद्र रहा। छोटे छोटे बच्चों को आकर्षित झांकी के रूप में सजाई गई थी, जिसे देख झूम उठे सभी उपस्थित श्रद्धालुगण।

पाठ के दौरान माता जी की स्कूली शिक्षा की कथा में छोटे छोटे बच्चों की स्कूल बैग रखकर झांकी प्रस्तुत की गई जिसमें दादी चली स्कूल पढ़ने को गाना गाया गया।

दादी जी के विवाह प्रसंग में मेहंदी हल्दी की रस्म की गई जिसमें मेहंदी रची थारी हाथा में गाने में सभी झूमती रही उसके बाद दादी जी के मंगल विवाह प्रसंग में सभी महिलाओं को चुनरी भेंट की गई जिसे पहनकर सभी महिलाएं माता के विवाह में शामिल हुए और माता की चुनरी पहनकर विवाह प्रसंग में भारात में नाचे, कार्यक्रम में खादू श्याम बाबा और बालाजी महाराज के भजनों का भी सुमधुर गायन किया गया जिसमें देर रात तक महिलाएं झूमती रही.

अष्टमी में लगनेवा 56 भोग

श्री सतीचौरा दुर्गा मंदिर में अष्टमी दिनांक 19 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे माता जी को 56 भोग लगाया जाएगा एवं शाम 7 बजे महाआरती के साथ 56 भोग की आर्पित साजझसज्जा की जाएगी एवं पूरे मंदिर परिसर को सभी प्रकार के फल से सजाया जाएगा..

सड़क पर बैठे आवाग मवेशियों को हटाने प्रतिदिन चलाया जा रहा रेका-छेका अभियान, यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने निगम की पहल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर की सड़कों को आवाग मवेशियों से मुक्त रखने एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से रोका-छेका अभियान लगाता चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त सुरुचि सिंह के निर्देशानुसार रोका-छेका टीम द्वारा प्रतिदिन निगम क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों एवं सड़कों के बीच बैठे आवाग मवेशियों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की कार्रवाई की जा रही है। इससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करने के साथ ही राहगीरों एवं वाहन चालकों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।



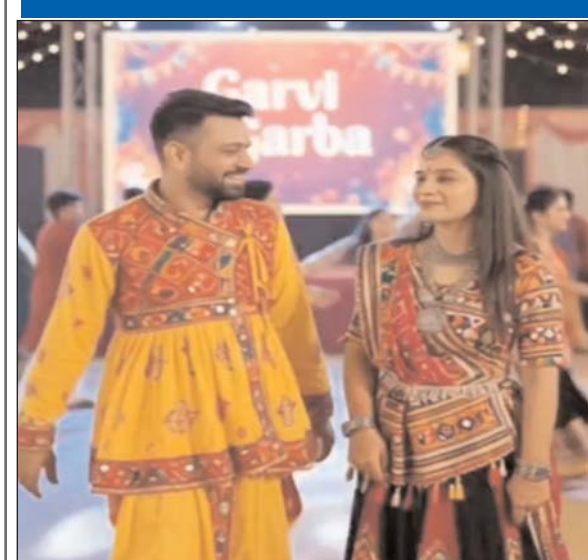
नगर निगम भिलाई क्षेत्र में कई स्थानों पर आवाग मवेशी सड़कों के बीच एवं किनारे बैठ जाते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है। विशेषकर व्यस्ततम मार्गों पर मवेशियों के बैठे रहने से दोपहिया एवं चारपहिया

वाहन चालकों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार अचानक मवेशियों के सड़क पर आ जाने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। नागरिकों की सुरक्षा एवं सुगम यातायात को

ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा रोका-छेका अभियान को नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है। निगम की रोका-छेका टीम द्वारा प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर सड़कों पर बैठे एवं विचरण कर रहे आवाग मवेशियों को काऊ कैचर वाहन की सहायता से पकड़ा जा रहा है। पकड़े गए मवेशियों को कोसा नाला स्थित गौठान में सुरक्षित पहुंचाया जा रहा है। गौठान में मवेशियों के लिए हरे चारे एवं पीने के पानी की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि मवेशियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था में सुधार एवं मवेशियों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए रोका-छेका अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा।

आज दुर्ग में सजेगा 'गरवी गरबा' का भव्य मंच, धनुची नृत्य रहेगा आकर्षण

गरबा में गुजराती परंपरा के साथ बंगाली संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पद्माभपुर स्थित ओल्ड एलआईजी ग्राउंड (काली माता ग्राउंड) में सोमवार 19 अक्टूबर को शाम 6.30 बजे से गरवी गरबा का भव्य एक दिवसीय आयोजन होगा।

संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा के मार्गदर्शन में अनुभव सखलेचा, आशीष तेलंग और संजय अग्रवाल के नेतृत्व में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस बार गरबा में गुजराती परंपरा के साथ बंगाली संस्कृति

की झलक भी देखने को मिलेगी। मां काली की आराधना के साथ प्रस्तुत होने वाला विशेष धनुची नृत्य कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगा।

आयोजन में पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता भी होगी और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। सुरक्षा एवं सुव्यवस्था के लिए पुलिस, बीएसएफ और पूर्व सैनिकों के मार्गदर्शन में विशेष इंतजाम किए गए हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

महापौर अलका बाघमार और विशिष्ट अतिथि बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय के कमांडेंट विवेक श्रीवास्तव होंगे। अन्य अतिथियों में डॉ. भावना दिवाकर, डॉ. संकल्प राय (साइबर क्राइम नोडल अधिकारी), हरप्रीत सिंह (पूर्व सेना), रत्ना नारमदेव, डॉ. प्रीति अजय बेहरा, मनीष शुक्ला (ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सैन्यकर्मी) और गौरव शर्मा शामिल होंगे।

तैयारियों में डॉ. कृष्ण अग्रवाल, वर्षा तेलंग, नीतू गां, नमिता बंसल, मंजुश्री सहित महिला टीम सक्रिय है। समिति ने दुर्ग-भिलाई के नागरिकों से सपरिवार शामिल होने की अपील की है।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने दी दुर्गा नवमी की शुभकामनाएं, अष्टमी में शामिल हुए

दुर्गा। शास्त्रीय नवरात्रि के महाअष्टमी पर शहर विधायक और केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव विभिन्न दुर्गा पंडाल पहुंचे और हवन पूजन में आहुति डालकर शहरवासियों को सुख-समृद्धि की कामना किये। इस दौरान खीर पूड़ी और खिचड़ी के भोग भंडारा में हाथ भी बंटायें। शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की समस्त देवी शक्ति का स्वरूप होती है। नौ दिन हम सभी ने माता की भक्ति की है, उसका आशीर्वाद मिलेगा। नवरात्रि के पावन पर्व में उन्होंने गंजपारा, पद्माभपुर कलिबाड़ी, सतीचौरा, गांधी चौक, दीमरपारा, ग्रीन चौक, संगम चौक उरला, वृन्दावनगर, विराट नगर बोरसी, स्टेशन रोड, पोठियाकला, डिपरापारा, सिकोला बस्ती, जवाहरनगर सहित दुर्ग विधानसभा के विभिन्न क्षेत्र में विराजित माँ दुर्गा की प्रतिमा के दर्शन कर झांकी देखने निकले शहर के नागरिकों अभिवादन कर शक्ति और भक्ति के महापर्व नवरात्रि की शुभकामनाएं दिए। भक्ति और शक्ति के इस पावन पर्व पर दुर्गावासियों की श्रद्धा, माँ जगदम्ब के प्रति अटूट विश्वास और लोकसंस्कृति से जुड़ाव ने पूरे शहर को भक्तिमय उत्फाल और उत्सव के रंगों से सराबोर कर दिया। यही आस्था, एकता और सांस्कृतिक विरासत हमर दुर्ग की असली पहचान है।

जामुल और सुरङ्ग की सुख-समृद्धि के लिए दुर्गा पंडालों में पहुंचे रेखराम बंछोर



वार्ड 19 एवं 20 में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुखहाली की

जामुल। जामुल और सुरङ्ग क्षेत्र की सुख-समृद्धि, सुखहाली एवं जनकल्याण की कामना को लेकर नगर पालिका परिषद जामुल के पूर्व अध्यक्ष रेखराम बंछोर वार्ड क्रमांक 19 एवं 20 के दुर्गा पंडालों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुखमय जीवन और उन्नति की कामना की। दुर्गा पूजा समितियों के सदस्यों एवं मोहल्लेवासियों ने उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष प्रशांत (बंटी

गुप्ता, मंडल महामंत्री ओमप्रकाश साहू, पूर्व महामंत्री नूतन वर्मा, दीपक सिंह, दुर्गेराम वर्मा, हानू राम वर्मा, डॉ. अशोक वर्मा, योगेश वर्मा, रामाधर वर्मा, भुनेश्वर देवांगन, उमेश वर्मा, हेमराज वर्मा, जनार्दन वर्मा, जितेंद्र कुमार वर्मा, गणेश राम साहू, नंदलाल वर्मा, शिवा वर्मा, कुलदीप वर्मा, भरत लाल देवांगन, मोहर वर्मा, सुखराम वर्मा, तुलाराम वर्मा, खम्भन वर्मा, विजय शंकर साहू, संतोष निर्मलकर एवं टीकम निषाद सहित दुर्गा पूजा समिति के समस्त कार्यकर्ता और मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र को बेचने की खबरें असत्य और भ्रामक: बीएसपी प्रबंधन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र को बेचने की योजना संबंधी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही खबरों को लेकर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने स्थिति स्पष्ट की है। 18 सितंबर 2026 को जारी विज्ञापन में प्रबंधन ने कहा है कि बीएसपी को बेचने संबंधी सोशल मीडिया पर प्रसारित तथा कुछ प्रिंट मीडिया में प्रकाशित खबरें पूरी तरह असत्य एवं भ्रामक हैं।

प्रबंधन ने बताया कि इस्पात मंत्रालय ने अपने आधिकारिक



सोशल मीडिया हैडल के माध्यम से इन दावों का खंडन किया है। वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस में बयान दिया (पीआईबी) की फैक्ट चेक इकाई ने भी इन खबरों को फेक बताया है। बीएसपी प्रबंधन ने सभी कामिकों, हितधारकों और आम

जनता से अपील की है कि ऐसी भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें और न ही इन्हें आगे प्रसारित करें। किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले आधिकारिक एवं प्रमाणित स्रोतों से पुष्टि अवश्य करें।

सेल प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की अभिन इकाई के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र देश के इस्पात क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने और राष्ट्र के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है।

सेवानिवृत्ति करीब, फिर भी सेवा प्रकरण लंबित

10 माह बाद भी परामर्शदात्री समिति के निर्णय बेअसर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति की दहलीज पर खड़े कर्मचारियों के सेवा प्रकरण लंबे समय से लंबित हैं और जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों का 10 माह बाद भी पालन नहीं हुआ है। इसे लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला दुर्ग ने नाराजगी जताई है और 15 दिवसीय विशेष

निराकरण अभियान चलाने की मांग की है। संघ ने कहा कि जिले के अनेक कर्मचारी पदोन्नति, समयमान वेतनमान, सेवापुस्तिका सत्यापन और पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए भटक रहे हैं। विशेष रूप से सेवानिवृत्ति के निकट कर्मचारियों को समय पर विभागीय कार्रवाई नहीं होने से आर्थिक लाभों में विलंब की आशंका है।

संघ का कहना है कि परामर्शदात्री समिति कर्मचारियों और प्रशासन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच है, लेकिन बैठक के 10 माह बाद भी कर्मचारियों को कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पदोन्नति और समयमान वेतनमान के प्रकरण वर्षों से लंबित होने से वेतन



निर्धारण और सेवा लाभ प्रभावित हो रहे हैं। संघ ने मांग की है कि सेवानिवृत्ति से पहले सेवापुस्तिका सत्यापन, सेवा अवधि मिलान, वेतन निर्धारण की ग्राहक से सुधार और पेंशन प्रकरण तैयार करने की प्रक्रिया समय पर पूरी

की जाए ताकि ग्रेच्युटी, अर्जित अवकाश नगदीकरण, समूह बीमा और पेंशन में देरी न हो। जिला प्रशासन से मांग की गई है कि सभी विभागों में लंबित प्रकरणों की सूची बनाकर समय-समय तय की जाए, विभागवार समीक्षा हो, प्रगति प्रतिवेदन के लिए निगरानी व्यवस्था बने और अनावश्यक विलंब पर उत्तरदायित्व तय किया जाए।

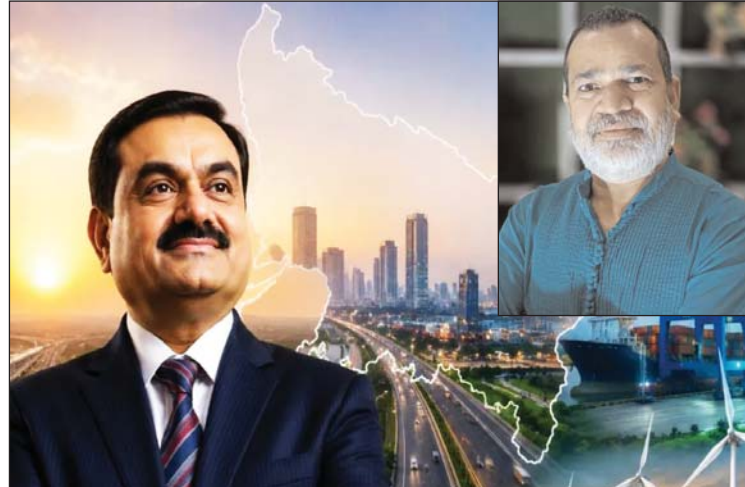
संघ के प्रांतीय महामंत्री विजय लहरे, वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रदीप बाबा चौहान, जिलाध्यक्ष भानु प्रताप यादव एवं जिला सचिव शिवदयाल घुतलहरे ने कहा कि यदि निर्णयों का पालन नहीं हुआ तो संघ चरणबद्ध आंदोलन और धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होगा।

आक्रोश कर्मचारियों, स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों में रोजगार की सुरक्षा, न्यूनतम वेतन और टाउनशिप के भविष्य को लेकर डर और गुस्सा

बीएसपी के निजीकरण की सुगबुगाहट और अडानी के संभावित दौरे से भिलाई में भारी आक्रोश : मुकेश चंद्राकर

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई की पहचान भिलाई स्टील प्लांट के निजीकरण की आशंकाओं और अडानी समूह के संभावित दौरे की खबरों को लेकर भिलाई में भारी आक्रोश है। जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि भिलाई के आम नागरिकों और श्रमिक संगठनों की चिंता बेवजह नहीं है। भिलाई स्टील प्लांट भारत-रूस मैत्री का प्रतीक और देश का पहला प्रमुख इस्पात संयंत्र है। इसके निजीकरण की खबरों से कर्मचारियों, स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों में रोजगार की सुरक्षा, न्यूनतम वेतन और टाउनशिप के भविष्य को लेकर डर और गुस्सा है।

कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे 'भिलाई बचाओ आंदोलन' के विरोध में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा धरना दिए जाने के बयान को ओछी राजनीति बताते हुए



चंद्राकर ने कहा कि धरना देना ही है तो वे पीएमओ ऑफिस के सामने जाकर दें।

स्थानीय स्तर पर विरोध का कोई औचित्य नहीं है। विधायक उस समय कहा थे जब एसोसी

बिक रहा था। चंद्राकर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया (एक्स) पर दावा किया कि अडानी समूह के लोग बीएसपी का मुआयना करने आने वाले हैं। यह दावा सौ फीसदी सही है। ऐसी स्थिति में न केवल भिलाई बल्कि पूरे प्रदेश में विद्रोह भड़केगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक-एक कर देश के अधिकांश सार्वजनिक उपक्रमों को निजी हाथों में खासकर अपने मित्रों को बेच दिया है, अब उनकी नजर बीएसपी पर है। अक्टूबर 2026 की शुरुआत में रायपुर के पास रायखेड़ा में अडानी पावर प्लांट में स्थानीय और बाहरी मजदूरों के बीच हिंसक झड़प से माहौल पहले से संवेदनशील है। ऐसे में बीएसपी के निजीकरण की दिशा में उठाया गया कोई भी कदम आक्रोश को और बढ़ाएगा।

कौशलेश्वरी देवी की मंदिर सप्तमी को काल रात्रि की हुई पूजा अर्चना



सारंगढ़। सारंगढ़ जिला मुख्यालय और आस पास के ग्रामीण अंचलों में शास्त्रीय नव रात को लेकर उत्साह और भक्ति की बहार बह रही है। सारंगढ़ की काली-समलेश्वरी, कोसीर की कौशलेश्वरी देवी की मंदिर में भक्तों की भीड़ देखी गई। वही कोसीर गांव के देवी मंदिर में नन्हे भैंस के पोड़ चढ़ाए और छोड़ दिया गया वहीं बच्ची देवी के रूप में नजर अपनी ओर आकर्षित करती रही। ये दोनों तस्वीरें आकर्षक का केंद्र बिंदु रहा।



छाया: लक्ष्मीनारायण लहरे साहिल,

सोमनी में भव्य होगा दशहरा उत्सव, नाग की फनकार वाली आतिशबाजी करेगी रोमांचित



राजनांदगांव। ग्राम सोमनी के हाई स्कूल मैदान में मंगलवार को विजयादशमी पर्व पर भव्य दशहरा उत्सव का आयोजन होगा। उत्सव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद मधुसूदन यादव करेंगे। वहीं विशेष अतिथि के रूप में पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश पटेल और पूर्व अध्यक्ष राजेश श्यामकर उपस्थित रहेंगे।

31 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन

इस वर्ष दशहरा उत्सव में ओडिशा के कानेनाडा के कलाकारों द्वारा आकर्षक जमीनी आतिशबाजी की प्रस्तुति दी जाएगी। इसमें नाग की फनकार वाली आतिशबाजी और रंगीन आतिशबाजी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। रंग-बिरंगी आतिशबाजी के बीच 31 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इसके बाद आकाशीय आतिशबाजी का नजारा भी दर्शकों को रोमांचित करेगा।

समिति अध्यक्ष आलोक तिवारी और अंगेश्वर देशमुख ने बताया कि इस बार क्षेत्रवासियों को दशहरा उत्सव में कई नए आकर्षण देखने को मिलेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7 बजे बोरझर भांठा के कलाकारों की रामलीला प्रस्तुति से होगी। रामलीला में हाइड्रा वाहन के माध्यम से सीता हरण और संजीवनी प्रसंग का विशेष मंचन किया जाएगा। रावण दहन के बाद रात 11 बजे से राग अनुराग लोक कला मंच दुर्ग के कलाकार छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

कार्यकारी अध्यक्ष कमल वैष्णव और सचिव प्रकाश वर्मा ने बताया कि आयोजन को भव्य बनाने के लिए समिति के संरक्षक चंद्रकांत ठाकुर, मार्गदर्शक जितेंद्र देशमुख, सांस्कृतिक प्रभारी कैलाश विश्वकर्मा, दिनेश देशलहरे सहित भीखम मारकंडे, शिवा साहू, जितेंद्र पांडे, पंकज तिवारी, विवेक साहू, महेंद्र कश्यप, प्रांजल देशमुख, अद्वितीय तिवारी, पौर्वित वैष्णव और अन्य सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं।

माँ महामाई मंदिर में शारदीय नवरात्र उत्सव हर्षोल्लास के साथ जारी

मंदिर समिति के सभी सदस्यों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ व काल भैरव बाबा की विशेष महाआरती भी की गई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

स्थानीय सिटी कोतवाली के पीछे स्थित प्राचीन माँ महामाई मंदिर में शारदीय नवरात्र उत्सव रविवार 11 अक्टूबर 2026 को विधि-विधान के साथ प्रारंभ हो गया है। इस वर्ष भी माई ज्योति के साथ श्रद्धालुओं द्वारा मनोकामना के 183 ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। 15 अक्टूबर पंचमी के दिन माता जी का विशेष श्रृंगार किया गया और मध्य रात्रि में ध्वज चढ़ाया गया। मंदिर समिति के सभी सदस्यों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ एवं काल भैरव बाबा की विशेष महाआरती भी की गई। प्राचीन माँ महामाई मंदिर में ओमान (यू.ए.ई.), अहमदाबाद,



जर्मनी, अंजार कच्छ, बालाघाट, नागपुर, मुंबई, शिमला (हिमाचल प्रदेश) के श्रद्धालुओं द्वारा भी मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। मंदिर में विशेष साज-सज्जा की गई है। मंदिर समिति ने बताया कि दिनांक 19 अक्टूबर को संध्या 7.00 बजे महाअष्टमी हवन पूजन किया जावेगा तथा दिनांक 20 अक्टूबर को दोपहर 3.00 बजे ज्योति विसर्जन शोभा यात्रा मंदिर से रामाधीन मार्ग होते हुए इंदिरा सरोवर, भरकापारा में ज्योति विसर्जन किया जावेगा। समिति ने सभी भक्तजनों से पूजन में सम्मिलित होकर मनोकामना पूर्ण करने की अपील की है।



हाइजीनिक फूड जोन से ई-बस डिपो व पीएम आवास तक पहुंची आयुक्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरेश सिंह ने शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का स्थलवार निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने चंद्रा-मोर्चा चौक के सामने निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन, संजय नगर तालाब मैदान, ई-बस डिपो निर्माण तथा खम्हरिया स्थित एचपी प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्माण की गुणवत्ता, सुव्यवस्थित क्रियाचक्र और समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। आयुक्त ने निर्माणाधीन हाइजीनिक फूड जोन का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। फूड जोन को स्वच्छ, व्यवस्थित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से निर्माण की गुणवत्ता तथा परिसर के

स्थलवार कार्यों की प्रगति का लिया जायजा



बेहतर नियोजन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। परिसर में स्वच्छता, जल निकासी, कचरा संग्रहण, पेयजल एवं साफ-सफाई की व्यवस्था को ध्यान में रखा जाए, ताकि भविष्य में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। आयुक्त ने संजय नगर तालाब मैदान का निरीक्षण कर स्थल की स्थिति का जायजा लिया। निर्देशित किया गया है कि उपलब्ध स्थान का

बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों की सुविधाजनक एवं व्यवस्थित स्थल मिल सकें। ई-बस डिपो के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। ई-बस संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का समय पर विकास महत्वपूर्ण है, ताकि तैयार होने के बाद बसों के संचालन एवं रखरखाव में सुविधा हो।

प्रमुख सचिव ने सिटी ई-बस डिपो का किया निरीक्षण, निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिला स्तरीय समीक्षा बैठक के पश्चात प्रमुख सचिव सोनिमणि बोरा ने सिटी ई-बस डिपो का निरीक्षण कर वहां चल रहे निर्माण कार्यों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को डिपो में शेष कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण करने तथा ई-बस सेवा के सुचारु संचालन के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने चार्जिंग स्टेशन, विद्युत व्यवस्था को व्यवस्थित करने, बिल्डिंग पुताई एवं डिपो परिसर से संबंधित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा शेष कार्यों



में तेजी लाकर उन्हें शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को डिपो में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ सभी जरूरी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि ई-बसों के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। इस अवसर पर निगम आयुक्त सुरेश सिंह, दुर्ग निगम आयुक्त लीना कोसम, नगरीय

प्रशासन विकास विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य, सूडा से अधीक्षण अभियंता रमेश कुमार सिंह, रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा, भिलाई चरोदा आयुक्त दशरथ सिंह राजपूत, एस डी एम प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, कार्यपालन अभियंता अरविन्द शर्मा, श्वेता वर्मा, पलाश वेष्ट, निर्माण एजेंसी निगम भिलाई के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

माँ महामाई मंदिर में शारदीय नवरात्र उत्सव हुआ प्रारंभ

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

स्थानीय सिटी कोतवाली के पीछे स्थित प्राचीन माँ महामाई मंदिर में शारदीय नवरात्र उत्सव रविवार 11 अक्टूबर 2026 को विधि-विधान के साथ प्रारंभ हो गया है। प्रतिवर्षानुसार माई ज्योति के साथ श्रद्धालुओं द्वारा मनोकामना के 183 ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। 15 अक्टूबर पंचमी के दिन माता जी का विशेष श्रृंगार किया गया और मध्य रात्रि में ध्वज चढ़ाया गया। सभी सदस्यों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया एवं काल भैरव बाबा की विशेष महाआरती की गई। मंदिर समिति ने बताया कि इस वर्ष

183 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित



ओमान (यू.ए.ई.), अहमदाबाद, जर्मनी, अंजार कच्छ, बालाघाट, नागपुर, मुंबई, शिमला (हिमाचल प्रदेश) के श्रद्धालुओं द्वारा मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किया गया है। मंदिर में विशेष साज-सज्जा भी की गई है। 19 अक्टूबर को संध्या 7.00 बजे महाअष्टमी हवन पूजन किया जावेगा तथा दिनांक 20 अक्टूबर को दोपहर 3.00 बजे ज्योति विसर्जन शोभा यात्रा मंदिर से रामाधीन मार्ग होते हुए इंदिरा सरोवर, भरकापारा में ज्योति विसर्जन किया जावेगा। मंदिर समिति ने सभी भक्तजनों से पूजन में सम्मिलित होकर मनोकामना पूर्ण करने की अपील की है।

उपलब्धि खैरागढ़ सिविल अस्पताल में सफलता

एक मां ने सामान्य प्रसव से दिया जुड़वां बेटों को जन्म

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिला सिविल अस्पताल खैरागढ़ ने एक और चिकित्सकीय उपलब्धि हासिल की है। वनांचल ग्राम देवरी निवासी किरण वर्मा ने सामान्य प्रसव से जुड़वां बेटों को जन्म दिया है। वरिष्ठ चिकित्सिका डॉ. प्रीति वैष्णव के मार्गदर्शन में स्टाफ नर्स श्रद्धा वैष्णव, गरिमा नागवंशी और रोहिणी की टीम ने सुरक्षित प्रसव कराया। जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। जानकारी के अनुसार प्रसूता किरण वर्मा पति तिलोक वर्मा को प्रसव पीड़ा होने पर शासकीय एम्बुलेंस से दोपहर करीब 3 बजे अस्पताल लाया गया था। जांच के बाद टीम ने सामान्य प्रसव का निर्णय लिया। दोपहर 3.42 बजे पहले और महज 6 मिनट बाद 3.48 बजे दूसरे बेटे का जन्म हुआ। दोनों नवजातों



का वजन क्रमशः 2 किलो और 2 किलो 80 ग्राम है। जुड़वां गर्भावस्था में सामान्य प्रसव के लिए विशेष सतर्कता और अनुभव की जरूरत होती है। बिना सिजेरियन के प्रसव

टीम के समन्वय और सुझाव से संभव हो पाया। डॉ. प्रीति वैष्णव वर्ष 2017 से और स्टाफ नर्स श्रद्धा वैष्णव पिछले 13 वर्षों से अस्पताल में सेवाएं दे रही हैं। जुड़वां बच्चों के

पिता तिलोक वर्मा मजदूरी और खेती कर परिवार चलाते हैं। उन्होंने बताया कि स्थानीय शासकीय अस्पताल में ही सुरक्षित प्रसव होने से दूसरे शहर जाने की परेशानी और

खर्च से राहत मिली। इस सफलता पर उल्लेख डॉ. अनिल कुमार शर्मा और इंटर्न डॉ. विवेक बिसेन ने टीम की सराहना की है।

अवैध शराब तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 5 लाख की मध्यप्रदेश की अंग्रेजी शराब के साथ 1 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर-कोड़नार

बस्तर पुलिस ने अवैध शराब तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना कोड़नार क्षेत्र में 75 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरामद शराब की कीमत 5,06,250 रुपये आंकी गई है।

थाना प्रभारी विजय पटेल के अनुसार 17 अक्टूबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम मावलीभाटा जहाजभाटा पारा निवासी दुलगा कवासी पिता स्व. बोंजा कवासी (45 वर्ष) ने दशहरा मेला में बिक्री के लिए दीर्ग राज्य मध्यप्रदेश की अंग्रेजी शराब अपने घर में डेप कर रखी है। एसपी शलभ कुमार सिन्हा, एसपी सुखनंदन राठौर के मार्गदर्शन और एसडीओपी



केशलूर लक्ष्मण सिंह पोटाई के पयवैक्षण में टीम गठित कर आरोपी के घर पर दबिश दी गई। तलाशी में एक बंद कमरे से 75 पेटी में रखी 3750 नग गोवा व्हिस्की बरामद हुई, कुल 675 लीटर (6,75,000 ML)। आरोपी कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। उसके खिलाफ थाना कोड़नार में धारा 34(2), 36, 59(क) छ.ग. आबकारी एक्ट के

तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया गया। मामले में अन्य आरोपियों की तलाशी जारी है। कार्रवाई में निरीक्षक विजय पटेल, प्र. उ.नि. दीपक कुमार बखला, सउनि. श्रवण कुमार कश्यप, आर. सुरेश आचले, रोहित वेद्री, मोहन बघेल, गोविन्द ठाकुर, मुरलीधर कश्यप और थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संपादकीय

पत्रकारिता के नाम पर चरित्र हनन बंद हो



आलोक तिवारी

एक लोक गायिका से आप वैचारिक रूप से असहमत हो सकते हैं। उसकी विचारधारा आपको पसंद नहीं आ सकती, आप उसकी आलोचना कर सकते हैं, उसका मजाक उड़ा सकते हैं। लेकिन जब एक राष्ट्रीय न्यूज चैनल एक महिला के चरित्र पर ही झूठा, निंदनीय और भ्रमात्मक हमला करने लगे, तो यह असहमति नहीं, यह पत्रकारिता का पतन है।

नेहा सिंह राठौर का मामला इसी पतन का ताजा उदाहरण है। एबीपी न्यूज द्वारा चलाया गया वीडियो सिर्फ एक महिला के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे भारतीय महिला समाज के खिलाफ कलंक है। यह स्वस्थ पत्रकारिता के माथे पर बदनमा दाग है। ऐसे में अगर पीड़िता आक्रोश में फोन करके अपनी आपत्ति दर्ज कराती है, तो उसका विरोध स्वाभाविक है और समर्थन योग्य है।

यह सवाल हम सब से भी है। सोशल मीडिया पर किसी को चरित्र प्रमाण पत्र बांटते समय क्या हम अपनी ही मर्यादा नहीं लांघ रहे? किसी महिला पर की गई भ्रष्टाचार सेक्सुअल कमेंट्री उस महिला का नहीं, बल्कि टिप्पणी करने वाले की दूषित मनोवृत्ति का प्रमाण पत्र होती है।

हम यह भी मानते हैं कि विरोध की भी एक लक्ष्मण रेखा होती है। किसी भी कलाकार या टिप्पणीकार को अपने विरोध को उस स्तर तक नहीं ले जाना चाहिए कि समाज का एक बड़ा वर्ग उससे घृणा करने लगे। विचार का विरोध विचार से होना चाहिए, विद्वेष से नहीं।

लेकिन एक बात स्पष्ट है - विचारधारा की लड़ाई के नाम पर किसी महिला के निजी चरित्र को उछालना सबसे कायराना हरकत है। एबीपी न्यूज जैसे बड़े संस्थान से ऐसी उम्मीद नहीं थी। इस पूरे प्रकरण में प्रबंधन की जवाबदेही तय होनी चाहिए और कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी चैनल टीआरपी के लिए किसी की अस्मिता से खिलवाड़ न करे।

// अंगाकर विशेष //

माटी के चूल्हे से उठती खुशबू - पानपुरवा अंगाकर

इधर मौसम करवट बदलता है। बारिश विदा लेती है तो मासूम ओस सुबह-सवेरे दूब घास की आँखें भिगो देती है। ठंड गुलाबी कैसे होती है, यह केवल महसूस किया जा सकता है, बयान नहीं। यही वक्त होता है माटी के चूल्हों में गुलाबी अंगार के सुलगने का, और फिर जायकों की फरमाइश जारी होती है। छुटपन के टेस्ट बड्स जाग जाते हैं, जब नानी का जादुई नुस्खा आकार लेता है - पानपुरवा अंगाकर रोटी।

भाई साहब, ये छत्तीसगढ़ी जिह्वा का सबसे उन्माद इमिहान है। गुजरती रात बचे भात के जन्जात का समागम, नवा चाउर आटा और पुरातन अचार का सरसो तेल एक साथ। सादगी भरे जीरा, कटी हरी मिर्च और धनिया के साथ जिह्वा संग गूँथ कर हथेलियों की थाप से फदकाया जाता है। इसी चपटी किस्म की रोटियों वास्ते शब्द आया चपाती, या विलायती भाषा में कहे तो प्लेट ब्रेड।

पर हमारी अंगाकर यहीं नहीं रुकती। उसकी सलवटों में ममता की उंगलियाँ छपी होती हैं, मानो स्नेह की पंक्तियाँ हों। अब बारी धुले हुए परसा या अंडा पत्ता की परतों की, जो रोटी पर करीने से बिछा दी जाती है। इटैलियन पिज्जा के

माफिक अब इस कशीदाकारी को चूल्हे के अंगारों के हवाले सौंप दिया जाता है। कुछ अंगार ऊपर, कुछ नीचे, ताकि फलफला अधपका या अधपरा न रहे। धीमी आँच में परसा का पसीना और अंगार का बुंधियाया अंदाज जर्न-जर्न में रच-बस जाता है।

प्रतीक्षा भी एक परीक्षा होती है। जब सुबह का खाली उदर गीतों में बात करे, तब पहली खेप प्रकट होती है। किनारे जो पाताल मिर्चा की धुने गए होते हैं, वो चिमटे से निकलते हैं और सिल-बूटे में हरी धनिया संग कुचरे जाते हैं। ये डिप ये या सालसा या फिर हमारी खालिस चटनी, जो मानिए।

माँ पत्तों और राख को झाड़ा कर जब रोटी को बीच से तोड़ती है, तो धुप के संग सभी स्वाद इंद्रियाँ सजग हो लेती हैं। कांसे की थाली में एक ओर यह रोटी, जिसकी ऊपरी परत जहीन कुरकुरी और भीतर गहराइयों में उतनी ही गुदुर। साथ देने वास्ते फिर से वो अचारी तेल और चटनी। मुग्ध होकर खाइए और मंत्रमुग्ध हो जाइए।

यह जलवा है पानपुरवा अंगाकर का। वैसे इसे तबे में भी संका जाता है, पर वो अंगाकर क्या जो अंगार से न गुजरे...

आज का राशिफल

मेष राशि: आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार का सहयोग प्रियोग। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।

वृषभ राशि: आज आर्थिक मामलों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है। रक्षा हुआ काम पूरा होने की संभावना है। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मधुर रहेंगे।

मिथुन राशि: आज का दिन नई योजनाओं के लिए अच्छा रहेगा। नौकरी और व्यापार में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है। अपनी वाणी पर संयम रखें।

कर्क राशि: आज परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें।

सिंह राशि: आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। दूसरों की सलाह पर भी विचार करें।

कन्या राशि: आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की उम्मीद है। पैसों से जुड़े मामलों में सौच-समझकर कदम उठाएं। विचारधारा के लिए दिन अनुकूल रह सकता है। तुला राशि: आज रिश्तों में

मधुरता बनी रह सकती है। व्यापार में नए अवसरों पर विचार कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों से बचें।

वृश्चिक राशि: आज अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना धैर्य से करें। परिवार के किसी सदस्य से अच्छी खबर मिल सकती है।

धनु राशि: आज भाग्य का साथ मिलने की उम्मीद है। नई योजनाओं और सोचने के अवसरों पर ध्यान दें। यात्रा से पहले जरूरी तैयारी करें।

मकर राशि: आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। आर्थिक फैसले सौच-समझकर लें। परिवार के लिए समय निकालें।

कुंभ राशि: आज नए विचार आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें।

मीन राशि: आज मन शांत रखने की प्रतीक्षा करें। कामकाज में धीरे-धीरे प्रगति हो सकती है। अपने स्वास्थ्य और पारिवारिक संबंधों का शुभ ध्यान दें। सकारात्मक सोच रखें, मेहनत पर भरोसा करें और हर निर्णय समझदारी से लें।



प्रो. संजय द्विवेदी

कोई भी राष्ट्र जिस स्थिति में होता है, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होता है। जापानी जैसे हैं, उनका देश वैसा ही है। इसी तरह की बात इजरायल, चीन और ईरान या किसी भी देश के बारे में हो सकती है। भारत भी वैसा ही है, जैसे हम हैं। ऐसे में कभी विदेशी आक्रांताओं, कभी सैकाले और कभी अपनी आजादी के बाद सत्ता में आए नायकों को कोसते हुए हम अपने कर्तव्यबोध से मुक्त हो जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सामूहिक चेतना के आधार पर विकसित होता है। उसका इतिहासबोध, संस्कृतिबोध, मित्रबोध और शत्रुबोध मिलकर उसका निर्माण करते हैं। इनसे ही राष्ट्रीय मानस या राष्ट्रीय भाव बनता है।

लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है। तत्कालीन समाज के श्रेष्ठ जन भी ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटते थे और खुद को आधा-अधुरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आसपास बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला, वरना हमारी दास्तानों में न होती दास्तानों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था।

औसत भारतीय का आचरण अंग्रेजी शासनकाल में कैसे था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गई। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे सत्ता बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने 'अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्ग' छोड़कर 'अंग्रेजियत की पगडंडियों' पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा-परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धमपर्ला जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। 'स्व' के स्थान पर 'परकीय' विचारों की स्थापना के प्रयास खूब चले। हम एक 'राष्ट्र' नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरक्स स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर

भारत का भारत से परिचय कथाएं



कैसे था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गई। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे सत्ता बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने 'अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्ग' छोड़कर 'अंग्रेजियत की पगडंडियों' पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा-परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धमपर्ला जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। 'स्व' के स्थान पर 'परकीय' विचारों की स्थापना के प्रयास खूब चले। हम एक 'राष्ट्र' नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरक्स स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर

इस पूरे विचार को ही पोंगापंथ और पिछड़ेपन के रूप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया।

राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफ वापसी करना चाहता है। जिसे 'विचारों की घर वापसी' कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सूर्य की स्थापना करने के लिए अध्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भावनात्मक प्रवर्तनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर प्रभों के निवारण का जतन करे। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को सामने लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुकूल व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विमनत्र बनना पहली शर्त है। परंपरा, जीवन पद्धति और परिवार पर छाप संकेतों के बीच ये प्रयत्न ही हमें आत्मशक्ति देंगे। दुनिया भर में चल रहे सभ्यतागत संघर्ष के बीच भारत को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार है। जहां साझाचन सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज होने कारण हमने मतभिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका

उदाहरण हमारी 'शास्त्रार्थ' परंपरा है। इसलिए, एक किताब, एक विचार, एक देवता र को मानने और दूसरे विचार को समाप्त करने को आतुर विचार भारत को नहीं समझ सकते। जहां दुनिया के हर पंथ के लोग नैसर्गिक सहजता से सांस ले सकते हैं। यहां कोई श्रेष्ठ और निकृष्ट नहीं है। सब समान रूप से इस धरती मां की संतानें हैं। ऐसे में भारत केंद्रित विमर्श ही विश्व शांति का मार्ग है। 'स्वत्व' ही मार्ग है, जिस पर चलने के लिए हमें महात्मा गांधी, धर्मपाल, सीताराम गोयल, दीनदयाल उपाध्याय, वासुदेव शरण अग्रवाल, निर्मल वर्मा, विद्यानिवास मिश्र का अध्ययन मदद कर सकता है। इससे भारत के मूल विचार को समझने तथा भारत का मौलिक चिंतन स्थापित करने में मदद मिलती है। इससे ही गलत बातों का खंडन करते हुए हम सही विमर्श की स्थापना में सफल हो पाएंगे।

भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों के आधार पर संपूर्ण विश्व के लिए हमें ही वैश्विक बौद्धिक नेतृत्व देना होगा। जिसकी एक झलक हमें स्वामी विवेकानंद में दिखती है। ऐसे में ह्यस्वबोध का जागरण ही विकल्प है। पहले हमारे अपने विचार को भारत तो स्वीकार करें। वह आत्मदैन्य से मुक्त होकर 'भारत' को 'भारत' (इंडिया नहीं) की नजर से देखना प्रारंभ करें। वैचारिक साम्राज्यवाद से मुक्ति के लिए कई स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसे इस तरह से समझिए कि गोरा बनाना और अंग्रेजी सिखाना आज भी हिंदुस्तान में दो सबसे बड़े व्यापार हैं। यही उपनिवेशवादी मानसिकता है। इसके चलते ही हमारे गांव उजड़ते चले गए और संयुक्त परिवार बिखर गए। आज एकल परिवारों के नाते अलग तरह के सामाजिक-सांस्कृतिक संकट हमारे सामने हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र, पंथ की लड़ाइयाँ को छोड़कर भी बहुत सी विभाजनकारी बातें हर दिन आज भी खोजी जाती हैं, फिर आख्यान (नैरेटिव) गढ़े जाते हैं। भारत जिसके कभी 'इंडिया' बनने की कोशिशें हुईं, उसे भारत बनाए रखने के लिए हमें ही आगे आना होगा। क्योंकि भारत का नष्ट होना, उस विचार का मिट जाना होगा, जिसने हमें रवसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश दिया। जिसने हमें राम, कृष्ण, शिव, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक देव जैसे नायक दिए। जिसने रसवै भवन्तु सुखिनः रं में अपनी मुक्ति देखी और लोक-मंगल जिसका मूलमंत्र रहा।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

रावण तो हर साल जलता है, मनुष्य के भीतर का रावण कब जलेगा?

प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश



विजयादशमी के दिन देश के अनेक नगरों और कस्बों में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के दहन की उत्सवी परंपरा है जिसमें जयघोष के बीच बुराई पर आच्छाई की विजय का संदेश दोहराया जाता है। किंतु उत्सव का शौर

धमने के बाद एक प्रश्न हमारे सामने खड़ा रह जाता है—क्या हम केवल रावण का पुतला जलाते रहेंगे, या कभी अपने भीतर बसे रावण को भी जलाने का संकल्प लेंगे? यह प्रश्न केवल धार्मिक आस्था अथवा किसी परंपरा से जुड़ा हुआ नहीं है। यह हमारे व्यक्तित्व आचरण, सामाजिक चरित्र, नैतिक मूल्यों और मानवीय चेतना से संबंधित एक गंभीर प्रश्न है। वास्तव में, विजयादशमी का पर्व जितना बाहरी बुराई पर विजय का प्रतीक है, उतना ही अपने भीतर झाँकने और अपनी कमजोरियों को पहचानने का अवसर भी है।

इक्कीसवीं सदी का मनुष्य विज्ञान, तकनीक और विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। उसके हाथों में संसार को जोड़ने वाला स्मार्टफोन है, उसकी पहुँच अंतरिक्ष तक है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकें उसके जीवन को निरंतर बदल रही हैं। उसने प्रकृति को समझने, संसाधनों का उपयोग करने और भौतिक संसार को रूपांतरित करने में अभूतपूर्व प्रगति की है। लेकिन एक बुनियादी प्रश्न अब भी अनुत्तरित है—क्या उसकी आंतरिक चेतना का विकास भी इसी गति से हुआ है? क्या तकनीकी उन्नति के साथ उसके विचारों में उदारता, व्यवहार में संवेदनशीलता और चरित्र में नैतिक दृढ़ता भी बढ़ी है? क्या उसका बाहरी संसार को बदलने के साथ अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का भी प्रयास किया है? इन प्रश्नों के उत्तर खोजने के लिए हमें अपने आसपास के समाज और अपने आचरण, दोनों पर दृष्टि डालनी होगी।

रावण केवल रामायण का एक पात्र नहीं, बल्कि मानवीय दुर्बलताओं और अनियंत्रित प्रवृत्तियों का एक प्रतीक भी है। उसके दस सिरों को अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या, छल, कपट, अन्याय, अनियंत्रित वासना और असहिष्णुता जैसी बुराइयों के प्रतीक के रूप में देखा जा सकता है। रावण विद्वान था, शक्तिशाली था और असाधारण सामर्थ्य का स्वामी था; किंतु उसका अहंकार, उसकी अनियंत्रित इच्छाएँ और अधर्म के प्रति उसका अग्रह उसके पतन का कारण बने। यह प्रसंग हमें एक महत्वपूर्ण सीख देता है कि ज्ञान, शक्ति और सामर्थ्य अपने आप में पर्याप्त नहीं हैं। उनका वास्तविक महत्व तभी है, जब उनका उपयोग विवेक, मर्यादा, न्याय और लोककल्याण के लिए किया जाए। क्या आज का मानव ऐसा कर रहा है?

विदंबना यह है कि आधुनिक मनुष्य भी ज्ञान, प्रतिष्ठा, धन और शक्ति अर्जित करने की दौड़ में निरंतर आगे बढ़ रहा है, लेकिन कई बार अपने आचरण में उन्हीं बुराइयों को स्थान देता है, जिनके प्रतीक के रूप में वह प्रतिबंधों रावण का पुतला जलाता है। वह बुराई के अंत का उत्सव तो मनाता है, किंतु अपने भीतर पल रही बुराइयों से आँखें चुराता रहता है।

आज भ्रष्टाचार के विरुद्ध भाषण देने वाला व्यक्ति स्वयं अनुचित लाभ लेने से नहीं हिचकता। ईमानदारी का उपदेश देने वाला अवसर मिलने पर बेईमानी कर बैठता है। स्त्री-सम्मान की बातें करने वाले समाज में महिलाओं के प्रति अपमान, भेदभाव और हिंसा की घटनाएँ सामने आती हैं। सत्य और न्याय का समर्थन करने वाले लोग भी

(विजयादशमी के पर्व पर आत्ममंथन का एक प्रश्न)



कई बार अपने स्वार्थ के सामने इन मूल्यों से समझौता कर लेते हैं। सामाजिक माध्यमों पर नैतिकता की दुहाई देने वाले कुछ लोग असत्य, कटुता और घृणा फैलाने में भी पीछे नहीं रहते।

यह विरोधाभास हमें सोचने के लिए विवश करता है कि कहीं हमने बुराई के विरुद्ध संघर्ष को केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन तक तो सीमित नहीं कर दिया है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हम बुराई के पुतले को जलाकर अपने कर्तव्य की इतिश्री मान लेते हैं, जबकि अपने आचरण में उसे जीवित बनाए रखते हैं?

दशहरा हमें स्मरण कराता है कि अन्याय और अधर्म चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न दिखाई दें, सत्य और धर्म के पक्ष में खड़े होने का साहस अंततः निर्णायक होता है। लेकिन इस संदेश की सार्थकता तभी है, जब वह हमारे दैनिक जीवन में भी दिखाई दे। यदि रावण-दहन के बाद हमारा अहंकार जस का तस बना रहे, व्यवहार में छल-कपट बना रहे और दूसरों के अधिकारों के प्रति हमारी संवेदनहीनता में कोई परिवर्तन न आए, तो हमें अपने उत्सव के वास्तविक उद्देश्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

समस्या रावण का पुतला जलाने में नहीं है; समस्या यह है कि हम कई बार उसके प्रतीकों को अपने भीतर जीवित रखते हैं। बाहरी रावण का दहन सरल है, क्योंकि वह हमारे सामने खड़ा एक पुतला है। भीतरी रावण को दहन कठिन है, क्योंकि उसके दस सिरों में से प्रत्येक हमारे व्यक्तित्व के किसी न किसी हिस्से से जुड़ा हो सकता है। उसे पहचानने के लिए साहस चाहिए, स्वीकार करने के लिए ईमानदारी और समाप्त करने के लिए निरंतर आत्मसंशय दूसरों की गलतियों देखना सहज है, लेकिन अपनी कमियों को स्वीकार करना कठिन। हम प्रायः अपने क्रोध को स्वाभिमान, अहंकार को आत्मसम्मान, लोभ को आवश्यकता और स्वार्थ को व्यावहारिकता का नाम दे देते हैं। अपनी अनुचित बातों के पक्ष में तर्क गढ़ना हमें अधिक सरल लगता है, जबकि अपनी भूल स्वीकार करना

आत्मबल की माँग करता है। इस प्रकरण हम अपनी बुराइयों को दूर करने के बजाय उन्हें उचित ठहराने लगते हैं।

वास्तविक आत्ममंथन वही से आरंभ होता है, जहाँ मनुष्य दूसरों से प्रश्न पूछने के बजाय स्वयं से प्रश्न पूछने का साहस करता है। क्या मेरे व्यवहार से किसी को अनावश्यक पीड़ा पहुँचती है? क्या मैं अपने लाभ के लिए किसी दूसरे के अधिकारों की अनदेखी करता हूँ? क्या मैं अपने पद, धन अथवा प्रभाव का अनुचित उपयोग करता हूँ? क्या मैं दूसरों के प्रति वही सम्मान और न्यायपूर्ण व्यवहार रखता हूँ, जिसकी अपेक्षा स्वयं अपने लिए करता हूँ? और सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न—क्या मैं जिन नैतिक मूल्यों का समर्थन सार्वजनिक रूप से करता हूँ, उनका पालन अपने निजी जीवन में भी करता हूँ?

इन प्रश्नों के उत्तर ही हमारे चरित्र का वास्तविक आचरण देते हैं। मनुष्य की नैतिकता का मूल्यांकन केवल उसके विचारों, भाषणों अथवा सार्वजनिक छवि से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार, निर्णयों और उन परिस्थितियों में किए गए कार्यों से होता है, जब उस कोई देख नहीं रहा होता।

यह समझना भी आवश्यक है कि बुराई केवल बड़े अपराधों अथवा गंभीर अनैतिक कृत्यों तक सीमित नहीं होती। किसी ज़रूरतमंद का अपमान करना, कमजोर का शोषण करना, दूसरे की सफलता से ईर्ष्या करना, झूठी अफवाह फैलाना, किसी के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना अथवा अन्याय देखकर अपने स्वार्थ के कारण मौन रह जाना भी हमारे सामाजिक चरित्र को कमजोर करता है। जब ऐसी प्रवृत्तियों को सामान्य व्यवहार मान लिया जाता है, तब वे धीरे-धीरे समाज की सामूहिक चेतना का हिस्सा बन जाती हैं।

किसी समाज का नैतिक पतन केवल तब नहीं होता, जब बड़े अपराध घटित होते हैं, वह तब भी शुरू होता है, जब लोग छोटी-छोटी बेईमानियों को सहज स्वीकार करने लगते हैं, अन्याय के प्रति उकसीन हो जाते हैं और अपने

लाभ के लिए सिद्धांतों से समझौता करने लगते हैं। इसलिए अपने भीतर के रावण को पहचानने का अर्थ केवल बड़ी बुराइयों से लड़ना नहीं, बल्कि उन छोटी दुर्बलताओं पर भी नियंत्रण पाना है, जो धीरे-धीरे हमारे व्यक्तित्व और सामाजिक जीवन को दूषित करती हैं।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन केवल कानूनों, भाषणों और अभियानों से संभव नहीं है। इनकी अपनी महत्ता है, लेकिन इनकी सफलता व्यक्ति के विचार और आचरण में होने वाले परिवर्तन पर भी निर्भर करती है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने दायित्वों के प्रति ईमानदार हो, अपने अधिकारों के साथ दूसरों के अधिकारों का भी सम्मान करे और निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर सामूहिक हित को प्राथमिकता दे, सत्य का साथ दे, तो सामाजिक जीवन में अनेक सकारात्मक परिवर्तन संभव हैं। परिवार में संस्कार, शिक्षा में नैतिक चेतना, सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और सामाजिक व्यवहार में संवेदनशीलता—ये सभी उस परिवर्तन की आधार-शिलाएँ हैं, जिसकी अपेक्षा हम अपने समाज से करते हैं।

इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हमारी परंपराएँ निरर्थक हैं अथवा रावण-दहन का कोई महत्त्व नहीं है। उत्सव हमारी सांस्कृतिक चेतना, सामूहिक स्मृति और सामाजिक एकता के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। आवश्यकता केवल इतनी है कि उत्सव का बाहरी स्वरूप उसके आंतरिक संदेश से जुड़ा रहे। रावण-दहन हमें अधर्म के विरुद्ध खड़े होने, अन्याय का प्रतिरोध करने और अपने भीतर की बुराइयों पर विजय पाने तथा सत्य का साथ देने की प्रेरणा दे। यदि यह परंपरा केवल आतिशबाजी, मनोरंजन और औपचारिकता तक सीमित रह जाए, तो हम उसके गहरे नैतिक संदेश का एक महत्वपूर्ण पक्ष खो देते हैं।

श्रीराम का आदर्श भी इसी संदर्भ में प्रासंगिक है। मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा, संयम, सत्य और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता ऐसे मूल्य हैं, जिनकी आवश्यकता आज भी उतनी ही है। श्रीराम के आदर्शों को स्मरण करने का वास्तविक अर्थ केवल उनका जयघोष करना नहीं, बल्कि अपने आचरण में उन मूल्यों के लिए स्थान बनाना है। यदि हम सत्य की विजय चाहते हैं, तो हमें स्वयं सत्यनिष्ठ होना होगा, यदि हम न्यायपूर्ण समाज की कल्पना करते हैं, तो हमें अपने व्यवहार में न्याय का पालन करना होगा; और यदि हम दूसरों से मर्यादा की अपेक्षा करते हैं, तो हमें अपने आचरण में भी मर्यादा बनाए रखनी होगी।

विजयादशमी का वास्तविक संदेश इसी आत्म-परिवर्तन में निहित है। यह पर्व हमें दूसरों की बुराइयों की सूची बनाने से पहले अपने भीतर झाँकने की प्रेरणा देता है। वह हमें याद दिलाता है कि जीवन का सबसे कठिन संघर्ष कई बार किसी बाहरी शत्रु से नहीं, बल्कि अपनी ही दुर्बलताओं, इच्छाओं और अहंकार से होता है। इस संघर्ष में विजय प्राप्त करने के लिए किसी विशाल आयोजन की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे, ईमानदार और निरंतर प्रयासों की आवश्यकता होती है।

इस विजयादशमी पर हम कम-से-कम एक बुराई छोड़ने, एक गलत आदत सुधारने, किसी अन्याय का विरोध करने और किसी ज़रूरतमंद की सहायता करने का संकल्प लें। हम अपने व्यवहार में सत्यनिष्ठा, अपने विचारों में उदारता और अपने संबंधों में संवेदनशीलता को स्थान दें। ऐसा करने पर विजयादशमी का संदेश केवल एक दिन का उत्सव नहीं रहेगा, बल्कि हमारे जीवन की दिशा निर्धारित करने वाला संकल्प बन सकेगा।

हर विजयादशमी पर हमें स्वयं से एक प्रश्न अवश्य पूछना चाहिए—क्या हम केवल रावण का पुतला जलाने वाले दर्शक बने रहेंगे, या अपने भीतर की बुराइयों को पहचानकर उन पर विजय पाने वाले साधक भी बनेंगे? अंततः प्रश्न यह नहीं है कि रावण कब ध्वंस कब जलेगा। प्रश्न यह है कि हम अपने भीतर के अहंकार, लोभ, छल, अन्याय और संवेदनहीनता को समाप्त करने का संकल्प कब लेंगे। जिस दिन हम अपने भीतर की बुराइयों के विरुद्ध सच्चे अर्थों में खड़े हो जाएँगे, उसी दिन विजयादशमी का पर्व हमारे जीवन में वास्तविक अर्थों में सार्थक होगा।

गरबा महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक : मुख्यमंत्री साय



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा महोत्सवों और दुर्गा पूजा आयोजनों में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मां आदिशक्ति से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि नवरात्रि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना का महापर्व होने के साथ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक एकता और मातृशक्ति के सम्मान का उत्सव भी है। गरबा और दुर्गा पूजा जैसे आयोजन हमारी आस्था और परंपराओं को जीवंत रखते हुए समाज को प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के सूत्र में जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने माना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति तथा सार्वजनिक श्री दुर्गा पूजा समिति द्वारा स्थापित दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर प्रदेशवासियों के कल्याण और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति का आशीर्वाद मांगा।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय हुकुम ललित महल में पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत युवा विंग द्वारा आयोजित द्वारासर गरबा विध भजन डाडियाह, रामबाग में आयोजित रास गरबा, पचपेड़ी नाका स्थित राम मॉल लॉन में श्री दशा सोरठिया वाणिक समाज द्वारा आयोजित ह्यसोरटी रंग रंगीलोह नवरात्रि उत्सव तथा शंकर नगर स्थित

मजिस्ट्रेट को धमकी मिलने का दावा, सुनवाई से खुद को किया अलग

सौरव दास और आशुतोष रांका की जमानत पर टली सुनवाई, जंतर-मंतर पर बैरिकेड तोड़ने के आरोप में पांच दिन की न्यायिक हिरासत में हैं दोनों

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

कोकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका की जमानत पर सुनवाई रविवार को टल गई। मामले की सुनवाई कर रहे विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) ने अपनी जान को खतरा होने की आशंका जताते हुए कार्यवाही से खुद को अलग कर लिया। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने कथित धमकी के मामले में एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मजिस्ट्रेट पर दोनों नेताओं को जल्द रिहा करने के लिए दबाव डालने की कोशिश की गई थी। हालांकि, धमकी देने वाले व्यक्ति और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की पुष्टि पुलिस के बाद ही हो सकेगी। सहायक जूलिस आयुक्त (एससीपी) ही विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट की

जिम्मेदारी भी निभाते हैं।

सीजेपी ने कॉल डिटेल्स रिकॉर्ड की जांच की मांग की

मामले में सीजेपी की ओर से कहा गया कि कथित धमकी की जांच अलग से की जानी चाहिए। संगठन ने पुलिस से कॉल डिटेल्स रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच कराने की मांग की, ताकि यह पता लगाया जा सके कि मजिस्ट्रेट का फोन नंबर पार्टी के किसी सदस्य के मोबाइल या अन्य डिवाइस से साझा किया गया था या नहीं। खबर के मुताबिक, मजिस्ट्रेट ने इस सुझाव को स्वीकार नहीं किया।

गौरतलब है कि 14 अक्टूबर को जंतर-मंतर में बैरिकेड तोड़कर प्रवेश करने के आरोप में सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।



अर्बन चैलेंज फंड पर कार्यशाला 21 को

नगरीय प्रशासन विभाग और हुडको द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में जुटेंगे नीति-निर्माता और विशेषज्ञ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में शहरी विकास, निवेश और अधोसंरचना के नए अवसरों पर मंथन के लिए 21 अक्टूबर को अर्बन चैलेंज फंड पर क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और हुडको द्वारा नवा रायपुर के एक निजी होटल में यह कार्यशाला आयोजित है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोयन साहू और उप मुख्यमंत्री अरुण साव विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यशाला में शामिल होंगे।

अर्बन चैलेंज फंड और अर्बन इन्वेस्ट विंडो पर केंद्रित इस कार्यशाला में नीति निर्माता, विशेषज्ञ और वरिष्ठ अधिकारी नगरीय निकायों में अधोसंरचना विकास, निवेश आकर्षित करने, परियोजनाओं के बेहतर वित्तीय प्रबंधन, नवाचार आधारित विकास मॉडल अपनाने और शहरों के सुनियोजित विस्तार पर विमर्श करेंगे। इससे राज्य के शहरों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने, शहरी अर्थव्यवस्था को गति देने, निवेश-अनुकूल माहौल तैयार करने और दीर्घकालिक विकास की ठोस रणनीति बनाने में मदद मिलेगी।

हुडको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



संजय कुलश्रेष्ठ कार्यशाला में उद्घाटन संबोधन देंगे, जबकि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा मुख्य वक्तव्य देंगे। नीति-निर्माताओं, विभागीय नेतृत्व और विशेषज्ञों की मौजूदगी में होने वाली यह क्षेत्रीय कार्यशाला छत्तीसगढ़ के शहरों की अधिक सक्षम, आधुनिक और निवेश-आधारित विकास मॉडल की ओर बढ़ाने में उपयोगी साबित होगी। यह कार्यशाला प्रदेश में शहरी विकास की भावी रूपरेखा तय करने के साथ-साथ समावेशी और सतत विकास के नए अवसर खोलने में भी मददगार होगी।

सांसद विजय बघेल ने उपवास करने वालों का किया सम्मान



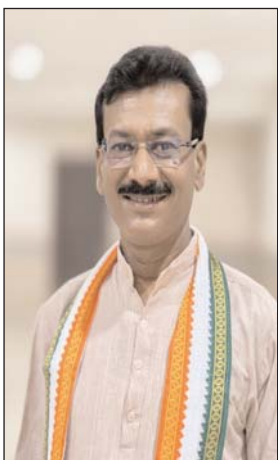
भिलाई। जैन मिलन जैन ट्रस्ट द्वारा आयोजित विश्व मैत्री दिवस समारोह में मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने समाज के वरिष्ठजनों का और उपवास करने वालों का सम्मान एवं सामाजिक अभिनंदन किया। 2021 से शुरू हुआ महिला क्रिकेट में सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ जैन समाज की प्रथम महिला क्रिकेटर श्रीमती चौधरी अरुणा जैन को महिला क्रिकेट खेल को जैन समाज में प्रोत्साहित करने के लिए विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में पीएचडी करने पर डॉ. राहुल जैन को सम्मानित किया गया। जैन मिलन जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय चतुर और मंत्री मुकेश जैन ने सांसद श्री बघेल का आभार जताया।

शिक्षकों का ट्रांसफर आदेश फर्जी था या चढ़ोत्तरी नहीं मिलने से निरस्त किया जा रहा

शिक्षा मंत्री जवाब दें - कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस ने शिक्षकों के ट्रांसफर आदेश को लेकर शिक्षा विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि शिक्षा मंत्री बताएं कि बलौदाबाजार-भाटापारा, दुर्ग, बेमेतरा, सांगरद-बिलासगढ़, गौरेला-पेड़ना-मरवाही, रायपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, राजनांदगांव, बस्तर, कांकेर, बालोद, धमतरी, कबीरधाम, सरगुजा, छुईखदान-गंडई में जिन शिक्षकों का ट्रांसफर किया गया था, वह वाकई फर्जी था या ट्रांसफर के



बदले तय चढ़ोत्तरी नहीं पहुंचने के कारण फर्जी बताकर निरस्त किया जा रहा है। धनंजय ठाकुर ने कहा कि शिक्षा

विभाग में तमasha चल रहा है। एआई से फर्जी ट्रांसफर आदेश जारी कर दर्जनों शिक्षकों का ट्रांसफर करने का दावा किया जा रहा है, जबकि शिक्षकों ने नए स्थान पर ज्वाइन भी कर लिया। तब विभाग को होश आया कि ट्रांसफर हुआ ही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या शिक्षकों पर चढ़ावा पहुंचाने का दावा डाला जा रहा है और क्या विभाग मुख्यालय व जिला शिक्षा अधिकारियों के बीच तालमेल नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सब उगाही का तरीका है, यही कारण है कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था बदहाल है। न पर्याप्त शिक्षक हैं, न समय पर किताबें मिलती हैं, न प्रश्न पत्र छपता है। भगवान भरोसे शिक्षा विभाग चल रहा है और जिम्मेदार काली कमाई में लगे हैं।

राजद प्रवक्ता कंचन यादव ने जताई आपत्ति

नई दृष्टिबिंदु / पटना

लोकगायिका नेहा सिंह राठौर से जुड़े एक वायरल वीडियो को लेकर सियासी विवाद बढ़ गया है। राजद प्रवक्ता कंचन यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस मामले में गहरी आपत्ति दर्ज कराई है।

कंचन यादव ने आरोप लगाया कि 2024 में इसी वीडियो को यह बताकर शेयर किया गया था कि टीना



डाबी ने किसी स्पॉ सेंटर पर रेड मारी है। अब उसी पुराने वीडियो को उठाकर नेहा सिंह राठौर से जोड़ दिया

गया और उनके खिलाफ फर्जी खबर फैलाई गई।

उन्होंने कहा कि बीजेपी आईटी सेल ने पुराने वीडियो को नेहा सिंह राठौर से जोड़कर उनका कैरेक्टर असेसिशन करने की कोशिश की है और अहड़ न्यूज ने भी बिना फैक्ट चेक किए वही खबर चला दी।

कंचन यादव ने सवाल उठाया कि यह सिर्फ फर्जी खबर फैलाने का मामला नहीं है, बल्कि जिस तरह एक पुराने वीडियो को एक महिला से जोड़कर बदनाम किया गया, उससे साफ होता है कि यह महज लापरवाही थी या सोची-समझी साजिश। उन्होंने इसे घटिया पत्रकारिता करार देते हुए कड़ी निंदा की है।

जमानत प्रक्रिया में देरी का आरोप

सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह ने जमानत की सुनवाई में देरी होने का आरोप लगाया। उनके अनुसार, चार जमानतदारों को कथित तौर पर अस्पष्ट आधारों पर अस्वीकार कर दिया गया। उन्होंने सोशल मीडिया में एकस पर दावा किया कि वह सुनवाई के लिए सुबह 11 बजे से पुलिस स्टेशन में मौजूद थीं, जबकि सुनवाई दोपहर 12 बजे निर्धारित थी। उनके मुताबिक, संबंधित एसीपी शाम करीब 5:30 बजे पहुंचे। अधिवक्ता अभिष्य हेलाने ने कहा कि सुनवाई की तारीख बदलने के लिए किसी विशेष कानूनी प्रावधान का हवाला नहीं दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मजिस्ट्रेट ने सुनवाई से

अलग होने का निर्णय लिया।

भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज

एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, मजिस्ट्रेट पर दबाव बनाने और उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश किए जाने की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (बीएसए) की उन धाराओं के तहत दर्ज की गई है, जो कथित आपराधिक धमकी और लोक सेवक को डराने-धमकाने से संबंधित हैं। फिलहाल, सौरव दास और आशुतोष रांका की जमानत पर सुनवाई टलने के कारण उनकी रिहाई का मामला लंबित है। कथित धमकी और जमानत प्रक्रिया से जुड़े आरोपों की पुष्टि संबंधित जांच और आगे की कानूनी कार्यवाही से होगी।

भिलाई टाउनशिप को निजी हाथों में सौंपने की आशंका, शहर की बदहाली पर ज्ञानचंद ने उठाए सवाल



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई टाउनशिप की बदहाल होती व्यवस्थाओं को लेकर ज्ञानचंद जैन ने भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) प्रबंधन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि आने वाले समय में भिलाई इस्पात संयंत्र नहीं, बल्कि भिलाई टाउनशिप का क्षेत्र निजी हाथों में सौंपा जा सकता है। उन्होंने प्रबंधन को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनकी आशंका निराधार है, तो जिम्मेदार अधिकारी सामने आकर इसका खंडन करें।

ज्ञानचंद जैन ने आरोप लगाया कि भिलाई टाउनशिप की व्यवस्थाएं लगातार कमजोर होती जा रही हैं। उनका कहना है कि यदि टाउनशिप को निजी हाथों में सौंपने की कोई योजना नहीं है, तो करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद शहर की व्यवस्था में अपेक्षित सुधार क्यों नहीं दिखाई दे रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि शहर की बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा देने के बाद भविष्य में इसे निजी हाथों में सौंपने का रास्ता तैयार किया जा सकता है।

जैन ने कहा कि शहर की सड़कों के किनारे सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। शहर के विभिन्न हिस्सों में अतिक्रमण बढ़ने से सार्वजनिक स्थानों की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर की हरियाली का उचित रखरखाव नहीं होने के कारण कई स्थानों पर झाड़ियां और सड़क किनारे उगी लंबी घास दिखाई दे रही है। इससे टाउनशिप की सुंदरता और स्वच्छता प्रभावित हो रही है।

उन्होंने टाउनशिप की सड़क और विद्युत व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। जैन के अनुसार, सड़क किनारे लगाई

गई लाइटें खराब होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले की बेहतर गुणवत्ता वाली विद्युत व्यवस्था की जगह अब अपेक्षाकृत कमजोर व्यवस्था दिखाई दे रही है। उन्होंने प्रबंधन से शहर की सड़कों, प्रकाश व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं के रखरखाव पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की।

ज्ञानचंद जैन ने भिलाई इस्पात संयंत्र के स्कूलों और सार्वजनिक भवनों की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने सवाल किया कि इन भवनों का समय पर रखरखाव क्यों नहीं किया जा रहा है और उन्हें जर्जर अवस्था में पहुंचने से बचाने के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि यदि भवनों और सार्वजनिक सुविधाओं की उपेक्षा जारी रही, तो भविष्य में इन्हें निजी हाथों में सौंपने की स्थिति बन सकती है। हालांकि, टाउनशिप को निजी हाथों में सौंपने की किसी आधिकारिक योजना की पुष्टि उन्होंने अपने बयान में प्रस्तुत नहीं की। जैन ने शहर की प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अधिकारियों और कर्मचारियों के स्तर पर कथित कमिशनखोरी के कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में कुछ अच्छे अधिकारी भी काम करने की इच्छाशक्ति खोकर बैठ जाते हैं। उन्होंने संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों से इन आरोपों और सवालों पर सामने आकर स्थिति स्पष्ट करने की चुनौती दी।

उन्होंने कहा कि रिसाली और भिलाई नगर निगम क्षेत्र में भी नागरिक सुविधाओं और व्यवस्थाओं को लेकर ऐसी ही समस्याएं दिखाई दे रही हैं। उनके अनुसार, शहर की सड़कों, सफाई, हरियाली, विद्युत व्यवस्था और सार्वजनिक भवनों की स्थिति में सुधार की आवश्यकता है। ज्ञानचंद जैन ने संबंधित अधिकारियों से टाउनशिप की मौजूदा स्थिति पर जवाब देने और नागरिक सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि शहर की बदहाली को दूर करना और भिलाई की पहचान एवं व्यवस्थाओं को बनाए रखना संबंधित प्रबंधन और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

वर्दी में शराब पीकर ड्यूटी पर सोए जवान, इंसास राइफल छोड़ी, दो पुलिसकर्मी निलंबित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुल्जिम पेशी ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले दो पुलिसकर्मीयों पर एसपी दुर्ग ने बड़ी कार्रवाई की है। कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग से जारी आदेश के अनुसार सड़न जीवन प्रकाश एक्का एवं आरक्षक क्रमांक 1223 ऋषिकांत त्रिपाठी, रक्षित केन्द्र दुर्ग को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केन्द्र दुर्ग में संबद्ध किया गया है।

जानकारी के अनुसार दोनों को मुल्जिम पेशी ड्यूटी के लिए दिनांक 17.10.2026 को जिला सरगुजा भेजा गया था। दिनांक

18.10.2026 को शाम 17.40 बजे नया बस स्टैंड, अंबिकापुर में दोनों पुलिस की वर्दी में शराब का सेवन कर इंसास रायफल को छोड़कर जमीन में सोते हुए पाए गए।

इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए एसएसपी विजय अग्रवाल ने दोनों को निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। रक्षित निरीक्षक दुर्ग को निर्देश दिया गया है कि घटना की प्रारंभिक जांच पूर्ण कर 5 दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। आदेश की प्रतिलिपि उमर्ग/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला सरगुजा को भी भेजी गई है।

आदिम जाति विकास विभाग का नाम पूर्ववत रखने की चेतावनी भिलाई। दुर्ग जिले में आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारी छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आदिम जाति विकास विभाग का नाम बदलकर जनजातीय कार्य विभाग किए जाने के निर्णय का विरोध जताते हुए जिला कलेक्टर को नाम ज्ञापन दिया गया। छत्तीसगढ़ आदिवासी कांग्रेस की मांग है कि विभाग का पुराना नाम बचावत रखा जाए और इस निर्णय पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए। ज्ञापन देने वालों में संगठन के चन्द्रभान सिंह ठाकुर, सरजनेताम, विक्की मंडावी, सरिता ठाकुर, कविता नेताम, गायत्री ध्रुव शामिल थे।

कार्रवाई 19 से 21 अक्टूबर के बीच खराब रह सकती है वायु गुणवत्ता, आईटीओ पर AQI 425 दर्ज होने का दावा

दिवाली से पहले दिल्ली की हवा बिगड़ने के आसार, आठ प्रदूषणकारी फैक्ट्रियां सील

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

दशहरे के बाद अब दिवाली से पहले दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ने की आशंका जताई गई है। अनुमान के मुताबिक, 19 से 21 अक्टूबर के बीच हवा की गुणवत्ता खराब रह सकती है। रविवार को आईटीओ क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक 425 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। हालांकि, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एयर बुलेटिन के अनुसार, रविवार को दिल्ली का औसत अदक 187 रहा। इस दौरान पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक रहा।

CPCB के आंकड़ों के मुताबिक, रविवार को फरीदाबाद का अदक 114, गाजियाबाद का 213, ग्रेटर नोएडा का 274, गुरुग्राम का 159 और नोएडा का 170 दर्ज किया गया। अनुमान है कि 19 से 21



अक्टूबर के दौरान प्रदूषण का स्तर खराब रह सकता है। इसके बाद भी अगले छह दिनों तक वायु गुणवत्ता

रह सकती है और उनकी दिशा में बदलाव होने की संभावना है। इससे प्रदूषक तत्वों के फैलाव में कमी आ सकती है, जिससे हवा की गुणवत्ता प्रभावित होने का अंदाजा है।

दिन में बढ़ेगा तापमान, सुबह-शाम रहेगा सुहावना मौसम

दिल्ली में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में दिन का तापमान बढ़ सकता है, जबकि सुबह और शाम मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहेगा। दिन में तेज धूप के कारण गर्मी महसूस हो सकती है। रविवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जोस डाइंग और प्लास्टिक दाना बनाने वाली इकाइयों पर कार्रवाई

प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने कार्रवाई तेज कर दी है। निगम आयुक्त संजीव खिरवार ने सभी जोनों के उपायुक्तों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। इसी अभियान के तहत एमसीडी, बीएसईएस और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम ने सादतपुर और करावल नगर क्षेत्र में आठ फैक्ट्रियों को सील कर दिया तथा उनके बिजली कनेक्शन काट दिए।

सील की गई इकाइयों में जींस की रंगाई करने वाली पांच और प्लास्टिक दाना बनाने वाली तीन फैक्ट्रियां शामिल हैं। ये इकाइयां वार्ड क्रमांक 247 और 248 में संचालित हो रही थीं। निगम की ओर से प्रदूषणकारी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए ऐसी कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।



नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रोडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझे लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यही मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है, रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सुजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सुजी का हलवा जिस तरह अग्रे दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सुजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सुजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचन तंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वस्थ रहते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है।

- सड़कियों से विटामिन और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फोलिक एसिड और प्रोबियस तथा मिनरल्स की प्रशिक्ष होती है।
- रवा उपमा फेट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रॉल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की प्रशिक्ष को सही बनाए रखने और अपने पोषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साइथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय अक्षर) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाएं पार कर नेशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम आइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।



शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की सजा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशेंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइडेशन के मरीजों की मान्यता बढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइडेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपको शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। तबकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें।

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती

- है तो आपके होट बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार घ्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी घ्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या अस्वस्थता हो सकती है। साथ ही मुंह से खांसी के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांस की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मांसा मांसमय से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइडेशन से जुड़ा रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जुड़ा रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का घेरा मुड़ाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर घसने लगती हैं और इन्हें हर समय कम्पोरी का अहसास बना रह सकता है।



सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही मूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गंभीर बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गंभीर को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बहर रहने वाले लोगों को पेट के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पेट की गंभीर भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छछ, दही, कच्चे आम के पत्ते के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉक्सिन्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली खुजल से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सांवा पानी मिलाकर इस पानी से गराये करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेधा नमक, मूंगफली, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गंभीर समाप्त होगी और आप तान्त्रिकी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पौष्टिक जोसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।



हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले हल्की भूख को हंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको फेट मिनिट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताते जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे, वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिनट के सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर अदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें चो फ्रिज पकाने के बाद चुकंदर को बंद कर दें और इसमें चीनी आंव पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा स्विचिड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा



- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से कम रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिलाकर गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।



गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर दकेलता है। यदि आपको शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।



डायजेस्टिव चाय

आजकल, बज्जार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सीफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लींग, फलफूल की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।



कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कमीले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एप्पल, केनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

वजन घटाने के लिए लोग न जाने कितनी प्रकार की डाइट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको मूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोपे-समझे किसी भी प्रकार की डाइट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती है। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है।

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पत्ती या उबली हुई सड़कियों खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचे जिसमें फल, सड़कियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संवय का

कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लॉटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।



वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम जो जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इट रिमिट फेस्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपको ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपको पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।



पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया, आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहाँ जाने से हर कोई कतराता है, इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है, दरअसल, यह जंगल जापान के मियाज़ाकी प्रीफेक्चर में स्थित निथिनन शिटी के पास में है, इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊँचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहाँ पर कोई यूएफओ यानि एलियन उतरा हो, इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं, अगर कोई प्लानेट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति खोड़ा चौका सकती है.



बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तहत पैदा किया है, इस जंगल की खास बात ये है कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था, जिसके बाद यहाँ पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे, बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था, इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था, जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार प्लॉटों में देवदार के पेड़ लगाए, जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.



हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आइरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अगुटे पट्टन के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इरीनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईरीनस रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटग्रस्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुर्मेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले में लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गलत पर एक सफेद पैरा शहल कालर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीतर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चींटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। अलग तौर पर अंडों की 10 से 14



दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औरियंटपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता है और जिस जगह यह गिरता है उसे शीतान घाटी के नाम से जाना जाता है। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गोल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेम्पेन नेटिव जिसका अर्थ होता है सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलट के नाम पर रखा गया है जिनका नाम जिमी एंजेल था। एंजिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल है।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उड़ान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पेनिश साल्टो ऑन्गोल, जिसे साल्टो वुरुन मेरु भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो वुरु नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है एंजिल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊँचा झरना है। यह औरियंटपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एंजिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन्न आकर्षित पर्यटकों स्थलों में से एक है। हालांकि एंजिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती है जिसमें पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता है। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित है और रघुवाद बोलिवर या पुरा आंड्रोज से कैनिमा शिविर तक पहुंचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी है।

एंजिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जुन से दिसंबर के महीने में होती है। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगुना हो जाता है। जबकि दिसंबर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता है। आप पहाड़ियों पर चढ़ने का अनुभव भी

यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती है। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बुदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं। वेनेजुएला में स्थित एंजिल फॉल्स विश्व के



बार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक है। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध है। एंजिल फॉल्स अपनी ऊँचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता है, इस स्थान की ऊँचाई 3212 फीट ऊँचाई है। एंजिल फॉल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका है। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊँचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा दृश्य पर्यटकों के दिलों को छू लेता है जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा है। एंजिल वाटर फॉल्स औरियंटपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली वुरुन नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात है। जोकि दक्षिण अमेरिका के दान सबाना नामक जिले में स्थित है। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित है जोकि गुआना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब है। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योटो ऑंड्रोज से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फॉल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योटो ऑंड्रोज से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप सिड्रिकियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित है। इसकी ऊँचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर है। एंजिल वाटर फॉल्स औरियंटपुई नामक एक पर्वत पर स्थित है। इसकी ऊँचाई इतनी अधिक है कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंध के रूप में बदल जाता है और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाइमा नेशनल पार्क में स्थित है।



पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में सजी के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायेंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुफ उठा सकते हैं।

एंजिल फॉल्स को एंजेल फॉल्स क्यों कहा जाता है

एंजिल फॉल्स का नाम एंजेल फॉल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की है जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उड़ान भरने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उनकी के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया है। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नहीं किया। उनकी ईशानुसार उनकी अस्तित्वों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालांकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज ने एंजेल फॉल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहा की मैं इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नहीं कर सकता।



सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग



किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है, उसके बाद ड्रॉसन तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए, कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है, लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं, यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं, दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में

कर सकता, बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित है, जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते, कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था, कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे, इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी, तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं, बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं, हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि ऐसा यहां के दूधित पानी की वजह से हो रहा है, रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है, इस गांव की आबादी करीब 600 है, इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं, इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं, मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे, वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं, उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं, बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी युरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है, इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था, रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है, हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है,



दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाए हैं, इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे, इन्हीं में से एक जीव है तितली, आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी, जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी, आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पते की भांति भी रंग बदल लेती है,

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता, क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो

ये किसी सूखे पते जैसी दिखती है, जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है, दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं, इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है, इस तितली का एक वैज्ञानिक सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें आप सूखे पत्ते जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं,

इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है, वीडियो को शेयर करते हुए कैपशन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरो को चौंका देने में माहिर है। जब कोई थिडिया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है, ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'



सुरगुजा याने अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल जो साय सरकार में मिनिस्टर सर भी हैं। उनके हैंसमुख अंदाज की वजह से उन्हें लाफिंग बुद्धा कहा जाता है। राजेश भले भले से हैं। लेकिन ये सियासत के बख्त, जालिम शै है। अंबिकापुर में दुर्गा पंडालों में पहुँचना था तो मिनिस्टर सर स्कूटी से निकल लिए। समर्थकों ने वीडियो फोटो जमकर शेयर किया और बताया कि देखिए मंत्रीजी की सादगी। लेकिन वही सियासत का मसला। लोगों ने इसमें भी सवाल की लकड़ी लगा दी है। लकड़ी लगाने वालों ने पुलिस महकमे से सवाल धुन दिया है कि, माननीय स्कूटी चला रहे थे और हेलमेट नहीं लगाए थे, पुलिस महकमा चालान का रसीद कब भेजेगा।

मासूम दिक्रत

कांग्रेस संगठन में दिलचस्प नजारा स्वाभाविक रूप से दिख जाते हैं। कांग्रेसी लोकतंत्र और पारदर्शिता के वैसे भी हिमायती होते हैं। कुछ छुपाते ही नहीं। फिलहाल कांग्रेसी एक नई मासूम दिक्रत में हैं। कथा ये है कि, पहले जो प्रदेश प्रभारी थे वो आते ही इतना कम थे कि उन्हें बार बार कहना पड़ता था कि, पायलट जी जहाज छत्तीसगढ़ में भी लैंड करिए, याने आ जाइए। अब मासूम परेशानी ये है कि, नए वाले प्रभारी इतने बार आने की क़वायद में हैं कि उन्हें मना करना पड़ रहा है। नियुक्ति के बाद जब भगत जी पहली बार आए तो केवल पखवाड़े भर के भीतर आए और बस्तर दौरा कर गए। अफवाह है कि, ल्यूहारी सीजन में उनका फिर से दौरा बन ही गया था। बड़ी मुश्किल से उन्हें समझाया गया कि, 'हुजुर ल्यूहारी का मसला है, सब व्यस्त रहेंगे, आप दशहरा के बाद

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा

लाफिंग बुद्धा

पधारें।' अफवाह आगे बताती हैं कि फिलहाल तो भगत जी मान गए हैं लेकिन कहीं धनतेरस दीवाली के वक्त का शेड्यूल ना आ जाए इस आशंका से कांग्रेसी परेशान हैं।

ये है सरकार

सरकार होती है सर्वशक्तिमान, चुंकि सर्वशक्तिमान होती है तो आँकड़ा हो या कोई सूचना वह वैसे ही प्रदर्शित की जाती है जिससे सरकार का मन मुदित हो और जनता उसे ही अंतिम सत्य माने। अब जरा उस समीक्षा बैठक का ही मसला लीजिए जो सीएम हेल्लोलाइन का था। सरकार के लोगों ने सरकार को बताया कि, ऊर्जा याने बिजली महकमे से जुड़ी सबसे कम शिकायतें दर्ज हुई। जो दर्ज भी हुई तो उसमें भी 92 फीसदी निराकरण हो चुका। अब इस आँकड़े से यह स्पष्ट हुआ कि केवल एक महकमा ऐसा है जिसने राज्य से शिकायतों का ही डब्बा गुल कर दिया है। सरकार के लोगों ने सरकार को जब यह बताया तो सरकार खुश हुई और सरकार ने पाया कि वह सच्ची सुशासन सरकार है। अब इस खुशी के दूध में आलोचक महकमे से सवाल धुन दिया है कि, माननीय स्कूटी चला रहे थे और हेलमेट नहीं लगाए थे, पुलिस महकमा चालान का रसीद कब भेजेगा।

एक ट्रंप यहां भी

सत्ता पक्ष के एक विधायक जी को लेकर उनके समर्थकों ने यह मान लिया है कि विधायक उनके जो हैं वो दरअसल डोनाल्ड ट्रंप का स्मॉल छत्तीसगढ़िया एडिशन हैं। अब बात समर्थकों ने तारफ में कही थी क्योंकि समर्थक मानते हैं कि माननीय जो कह देते हैं वह बात कोई काट नहीं सकता। लेकिन विरोधी अब इस पर मौलज रहे हैं। विरोधी कहते हैं बात तो सही कही गई है। वो सुबह जो कहते हैं शाम को

उससे पलट जाते हैं। खुद ही किसी बात पर उड़ता तीर लेते हैं, जंग छड़ते हैं और जंग छड़ने के बाद फैसले के ठीक पहले जंग एकतरफा खत्म कर के कहते हैं कि मैं तो शांति का मसीहा हूँ। सुबह किसी को छोटा भाई कहते हैं, दोपहर को उसके हर दुश्मन को अपना दुश्मन कहते हैं शाम तक उसी छोटे भाई को सबसे बड़ा दुश्मन करार देते हैं, लेकिन कुछ दिनों के बाद के किसी आने कह दिया था कि मेरी जान को खतरा है। सत्ता पक्ष का विधायक ऐसा कहना तो फिर जाहिर है विपक्ष कोई कसर छोड़ेगा नहीं। विपक्ष ने सदन में धूरी धज्जी उड़ा दी। अब जब ये हो रहा था तो बवाल का सबब बने माननीय जी सदन में नहीं थे, हालांकि वे जानते थे कि विपक्ष उनकी बात पर ही सत्ता की रेल बना रहा है। बहरहाल विधायक जी आए और कुछ देर बाद उन्होंने विपक्ष से ही कह दिया - हूहमारी पार्टी का राज है, किसी को किसी से कोई खतरा नहीं है। विपक्ष से सवाल आया कि खतरे की बात तो आपने ही कही थी, विधायक जी ने फिर दोहरा दिया - हूहमारी पार्टी का राज है, किसी को किसी से कोई खतरा नहीं है।

किडनेप

बीजापुर में पीएम योजना के तहत सड़कें बनाई गईं, कागज में दर्ज है कि भुगतान से पहले सबका इंस्पेक्शन हुआ, और सब सही पाए हैं, नतीजतन ठेकेदार को पेमेंट हो गया। अब विभाग के अफसरों ने बीजापुर में इन सड़कों की हालत खोजने की क़वायद की तो पता चला कई सड़कें बनी नहीं यदि कोई बनी भी तो गुणवत्ताहीन काम हुआ। सीधे कहें तो छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सड़कें लापता हैं। ठेकेदारों से सवाल हो रहा है तो सड़क को किधर तो पहले ही पेमेंट पा चुके ठेकेदारों ने जवाब में विभाग के अधिकारियों के उसरिमांक वाले कागज को आगे कर दिया है जिसमें विभाग के अधिकारियों ने ही सड़क को सही सटीक शानदार बताया था। ठेकेदार इस के साथ यह भी कह रहे हैं कि जवा भुगतान लिए तब तो सड़क थी, अब नहीं मिल रही है तो हम क्या करें। सहाफी यह मान रहा है कि सड़क गायब

लास्ट पेज

नहीं हुई बल्कि उसको कोई विकास विरोधी किडनेप कर लिया है, क्योंकि सड़क का फोटो खींच कर ही तो साहब लोग पेमेंट किए थे, याने सड़क थी अब कोई किडनेप कर लिया है।

प्याली में तूफान

एक मंत्री जी नवरात्रि के दौरान देवी दर्शन को पहुँचे। वहाँ गए तो सद्भावना से एक एमएलए साहब ने बुला लिया। मंत्री जी सरल सहज हैं और राजनीति की अस्थिरता से मुकम्मल वाकिफ हैं, तो वे चले गए। फामां हाउस पहुँचे, चाय पिए और चलते टहलते एक और खेत पहुँच कर खेती का जायजा लिया। अब इस पर उस क्षेत्र के बीजेपी नेताओं को तकलीफ हो गई। तकलीफ इसलिए हुई कि, जिस एमएलए के बुलाने पर उनके फॉर्म हाउस पहुँचे थे वो कांग्रेसी था। जिस खेत पर टहलते हुए पहुँच गए थे वो भी कांग्रेसी का निकल आया। जाहिर है चाय की प्याली में तूफान आ गया। बीजेपी वाले भाई साहब लोगों की तकलीफ का मूल सबब ये है कि, जिस खाँटी कांग्रेसी एमएलए के यहाँ मिनिस्टर सर पहुँच गए थे, वो एमएलए बीजेपी के एक से बढ़कर एक दिग्गजों को सियासी मैदान में धोबी पछाड़ दे चुका है। वहीं मिनिस्टर सर एकदम रिलेक्स मोड में हैं। चालीस बरस से उपर के राजनीतिक जीवन में मिनिस्टर सर ने कई बसंत कई धूप और कई बरसातें देखी हैं। उन्हें मुकम्मल पता है कि सवाल टाईप कुछ हुआ तो कहना क्या है।

परवाना

पुलिस महकमे में जब बस्तर का पेमेंट स्कैम सामने आया तो एक परवाना जारी हुआ। परवाने में स्पष्ट लिखा गया और मौखिक बताया भी गया कि, तीन साल से ज्यादा कोई भी बंदा किसी एक टेबल पर नहीं रहेगा। सटीक बात थी, अच्छा निर्णय लिया गया था। लेकिन अफवाह बाजों को क्या कहें, बेसिक पैर की उड़ान का कोई ओर ना छोरे। अफवाह बाजों ने पुडिया छोड़ दी है कि, तीन साल का जिफ्र करने वाले इस परवाने की गति दुर्गाति तो पीएचक्यू में ही रही है। कई सेक्शन में बाबू भर्ती के बाद से अब तक उसी सेक्शन में उसी सीट पर विराजे हुए हैं।

ये तीन घंटे की बैठक !

सूबे के पुलिस अफसर हज़ते में पांच दिनों के बने वाली तीन तीन घंटों की वीसी बैठक से परेशान हैं। चुपलखोर ने बताया है कि बड़े साहब ने नए कानून में इस साक्ष्य

के मसले पर स्टेट को नंबर वन लाने की क्रसम उठाई है। इस फेर में रोज तीन घंटे की बैठक होती है और हर प्रकरण में इस साक्ष्य को लेकर हूहमालाह सीखाते हैं। अब इस बैठक से हलकान परेशान एक सीनियर ने सहाफी को बताया कि मसला बैठक से सुलझने वाला है ही नहीं। विषय ये है कि हर विवेक के पास एक टेबलट हो, सर्वर में क्षमता हो, जहाँ घटना हो वहाँ मोबाइल का नेटवर्क हो और साक्ष्य संकलन में प्राथी की मौजूदगी भी हो और जिस कमचारी की जवाबदेही है वह पूर्ण प्रशिक्षित हो। मसला कहीं साधन है तो संसाधन नहीं, कहीं संसाधन हैं तो साधन नहीं में फँस रहा है। लेकिन साहब बाकी सब छोड़ कुछ और ही कर रहे हैं। जो जिले बड़े हैं, जहाँ लॉ एंड आर्डर का मसला रहता है, साहब का वहाँ भी वही फरमान है कि, नोडल अफसर तो मीटिंग में रहे ही लेकिन एडिशनल एसपी यदि है तो वह जरूर बैठेंगे।

बबलू भईया

नेताजी लोग दुर्गा पंडालगुरु चेला

नेताजी लोग दुर्गा पंडाल दर्शन पर निकल रहे हैं। इसमें चूँ कुछ खास नहीं है, नेता पंडाल जाएँगा ही, भीड़ मजमा और दर्शन पूजा सब कुछ ठीक ठाक हो जाता है। लेकिन बबलू भईया ने कुछ ऐसा किया है कि ध्यान चला गया है। बबलू भईया 17 अक्टूबर को पंडालों पर पहुँचे। अपनी विधानसभा से शुरूआत करने के बाद शाम में लोकेशन पर परिजनों के बगल में पंडालों में जय माता दी करते दिखे वे पंडाल थे भिलाई के, याने देवेंद्र यादव का विधानसभा क्षेत्र। लोगों को याद आया कि हालिया युथ कांग्रेस इलेक्शन में देवेंद्र यादव पाटन में जमकर प्रचार कर आए थे। लोगों को यह भी याद आ गया कि युथ कांग्रेस के इस चुनाव में दो कैडिडेट के बीच मुकाबला था, एक बबलू भईया का कैडिडेट था और एक देवेंद्र यादव का। बहरहाल नतीजे तो उस इलेक्शन के नहीं आए हैं लेकिन असर उस इलेक्शन का दिखने लगा है। वैसे किसी सीनियर ने सहाफी से कहा है - 'बबलू भईया किसी से कितने भी नाराज हों, मातारानी के पंडालों में जय माता दी करते हुए वह मनोनीत थोड़े मींग होंगे कि यहाँ से कांग्रेस जाएँ, आखिर वे सीनियर लीडर हैं, कांग्रेस के खिलाफ तो अपने में नहीं जाएँगे।' सहाफी ने पूछा - 'तो भईया क्यों गए थे?' सीनियर ने कहा - 'अरे निगम चुनाव हैं न! साख तो भईया की जुड़ी है। हम दुश्मनों की उड़ाई बातों को ध्यान मत दो।

ऑपरेशन मुस्कान: डोंगरगढ़ से चंद घंटों में मिलीं दो नाबालिग बालिकाएं

दुर्ग पुलिस ने मोबाइल लोकेशन और तकनीकी साद्यों की मदद से किया सकुशल बरामद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए दो लापता नाबालिग बालिकाओं को राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ से सकुशल बरामद कर लिया। चौकी स्मृतिनगर और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने मोबाइल लोकेशन एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बालिकाओं की पतासाजी की। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, 17 अक्टूबर की शाम करीब 6 बजे 14 वर्षीय बालिका अपनी 13 वर्षीय सहेली के साथ दुर्गा दर्शन करने जाने की बात कहकर घर से निकली थी। देर तक दोनों के वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला। इसके बाद 18 अक्टूबर को चौकी स्मृतिनगर, थाना सुपेला में

शिकायत दर्ज कराई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अपराध क्रमांक 1557/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) में अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। चौकी स्मृतिनगर और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने मोबाइल लोकेशन तथा तकनीकी जानकारी के आधार पर तलाश तेज की। पुलिस टीम ने दोनों बालिकाओं को डोंगरगढ़ से सकुशल बरामद कर लिया।

बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजग रहने की अपील : दुर्ग पुलिस ने अभिभावकों से बच्चों के आने-जाने और उनके संपर्कों पर ध्यान रखने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि किसी बच्चे के लापता होने की स्थिति में बिना देर किए नजदीकी थाने में सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित की जा सके। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

अवेध शराब बिक्री करते दो गिरफ्तार, 63 पोवा देशी शराब जबा



दुर्ग जिले में अवेध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने हेतु दुर्ग पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 63 पोवा देशी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 5,900 रुपये है, तथा शराब बिक्री की 300 रुपये बकदी जवा की है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, 18 अक्टूबर को थाना जमुल पुलिस को सूचना मिली कि गाम नारथा बिवासी दुर्ग साहू 300 रुपये (40 वर्ष) मुखुंदा मार्ग पर बरगद के पेड़ के नीचे अवेध रूप से देशी शराब बेच रहा है। पुलिस टीम ने मौके पर दखिरा देकर आरोपी के कब्जे से 31 पोवा देशी मसाला मटिरा, जिसकी कीमत 3,100 रुपये बताई गई है, जवा की। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 783/2026, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उसे ब्याधिक रिमांड पर भेज दिया गया। इसी दिन थाना पुतावा पुलिस ने गाम रसमड़ा में मंदिर के पीछे अवेध शराब बिक्री की सूचना पर कार्रवाई की। वहां से आकाश शिव निर्मलकर (22 वर्ष), बिवासी गाम रसमड़ा को पकड़ा गया। उसके कब्जे से 32 पोवा देशी शराब, जिसकी कीमत १,800 रुपये है, और बिक्री की 300 रुपये बकदी जवा की गई। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उसे ब्यायातय में पेश किया जा रहा है।

पल्लेग ऑफ सेरेमनी

डीजीपी ने दिखाई हरी झंडी

राष्ट्रीय एकता दिवस पर 'FIGHT AGAINST DRUGS' थीम पर राष्ट्रीय मोटर साइकिल रैली

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय एकता दिवस 2026 के अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय मोटर साइकिल रैली-2026 रायपुर पुलिस कमिश्नरेट से अगले गंतव्य के लिए रवाना हुई। पुलिस ग्राउंड रायपुर में आयोजित गरिमामय पल्लेग ऑफ सेरेमनी में छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर हरी झंडी दिखाई।

यह राष्ट्रव्यापी रैली देश के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजर रही है। इस वर्ष रैली की थीम 'FIGHT AGAINST DRUGS - नशे के विरुद्ध एकजुट भारत' रखी गई है, जिसका उद्देश्य जागरूकता, रोकथाम और नशामुक्त भारत तथा राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

14 अक्टूबर से शुरू हुई यह रैली कुल 2,245 किलोमीटर का सफर तय कर 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर गुजरात के एकता नगर (केवाडिया) में संपन्न होगी। पूरे देश में रैली को चार जोन उत्तर, मध्य, दक्षिण और उत्तर-पूर्व में बांटा गया है।



मध्य जोन में बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश शामिल हैं। ओडिशा के भुवनेश्वर से शुरू

होकर यह रैली 16 अक्टूबर को महासमुंद बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश तेलीबांधा में छत्तीसगढ़ पुलिस, जनप्रतिनिधियों

और कॉलेज छात्रों ने भव्य स्वागत किया था। 17 अक्टूबर को ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस टीमों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया था।

आज पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में DGP अरुण देव गौतम ने नशे के दुष्प्रभावों से दूर रहने और बाइक रैली टीम के होसले की सराहना की। IADG गुप्तवार्ता अमित कुमार ने नशामुक्त भारत को अगले 3 वर्षों का प्रमुख लक्ष्य बताया, वहीं पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला, 4th BN कमांडेंट सूरज सिंह परिहार, एसीपी ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव, डीसीपी क्राइम स्मृतिक राजनाला, डीसीपी पश्चिम राबिंसन गुरिया, डीसीपी मध्य तारकेश्वर पटेल, डीसीपी नार्थ दीपमाला कश्यप, डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अचनो झा सहित कमिश्नरेट के सभी अधिकारी मौजूद रहे।

रायपुर से रवाना होने के बाद यह रैली बलौदाबाजार-भाटापारा, बेमेतरा होते हुए कबीरधाम पहुंचेगी, फिर मध्य प्रदेश के जबलपुर, भोपाल, इंदौर होते हुए 31 अक्टूबर को एकता नगर गुजरात पहुंचेगी।

गांजा बेचने ग्राहक तलाश रहा युवक गिरफ्तार, मोहन नगर पुलिस ने 1.193 किलो गांजा किया जबा, कीमत 60 हजार रुपये



दुर्ग। नशे के अवेध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मोहन नगर पुलिस ने सफिंद हाउस के पीछे गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर मोहन नगर पुलिस की टीम ने मौके पर घेराबंदी कर सफिंद को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके घर से सफिंद को 1.193 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भूपेन्द्र यादव (19 वर्ष), निवासी ग्रीन चौक, बार्ड क्रमांक 25, थाना मोहन नगर, दुर्ग के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 760/2026 के तहत एफडीओ एफटी की धारा 20(बी) में मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

GOSWAMI FLEX PRINTING

ADVERTIZER

भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

- Hoardings
- Flex Banner
- Vinyl Printing
- One Way Vision
- Glow Sign Board

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address - 3rd Floor Shop No-1, Arcia Tower, M.C. Market

अर्चना फ्लाइ ऐश ब्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें 9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

birthday cakes Anniversary Cakes Custom Theme Cakes Serving Bhilai & Durg DM for Order Followed by_s_andeep

Order Now: @baked.by.suhani MO.6263734520